घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 70- शुक्रवार 09- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर पड़े थे छापे...एक्शन के बीच फाइल उठाकर निकलीं

ममता बोलीं...प्रधानमंत्री जी अपने होम मिनिस्टर को कंट्रोल कीजिए

कोलकाता,08 जनवरी 2026। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी के दौरान रुकावट पैदा की। वे कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर में जबरन घुसीं और अपने साथ कई फिजिकल डाक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले गईं। ईडी के मुताबिक, इसके बाद मुख्यमंत्री सॉल्ट लेक स्थित I-PAC कार्यालय भी पहुंचीं। यहां भी राज्य की पुलिस की मदद से अहम सबूत जबरन अपने साथ ले गईं। प्रतीक जैन ममता की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। ममता ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा- मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। इस कार्रवाई के विरोध में ममता कल 2 बजे मार्च निकालेंगी।

क्या है मामला : ईडी ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रतीक जैन के घर और ऑफिस में छापेमारी की। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं,तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा...गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ईडी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

ममता का आरोप- यह कार्रवाई घटिया और शरारती गृह मंत्री करवा रहे...

सीएम ममता ने छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और इसके पीछे बीजेपी की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। मेरी पार्टी के सभी दस्तावेज उठाकर ले गए हैं। एक तरफ वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। अगर आप हमसे लड़ नहीं सकते, तो आप बंगाल क्यों आ रहे हैं? हमें लोकतांत्रिक तरीके से हराइए। आप हमारी एजेंसियों का इस्तेमाल हमारे कागजात, हमारी रणनीति, हमारे वोटर्स, हमारे डेटा, हमारे बंगाल को लूटने के लिए कर रहे हैं। यह सब करके, आपको जितनी सीटें मिल रही थीं,वे घटकर जीरो हो जाएंगी।

मामला हाईकोर्ट पहुंचा,आज सुनवाई

सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में ईडी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उधर, I-PAC ने भी सर्च की वैधता को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई आज जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी। वहीं, प्रतीक जैन के परिवार ने शेक्सपीयर सरानी पुलिस स्टेशन में ईडी अधिकारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत कराने का फैसला किया है।

कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं... इसलिए काटते हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए,ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा...तो क्या बिल्लियां ले आएं? इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों,अस्पतालों,बस स्टैंड,स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए। याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है। जबकि आवारा

कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। एबीसी नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे। वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा कि अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है,लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है। हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया...अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता। कुत्तों की मॉनिटरिंग के लिए पहले उनकी गिनती जरूरी है जो आखिरी बार 2009 में हुई थी।

जज केस कांड...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जवाब देने के लिए समय बढ़ाने से इनकार जस्टिस वर्मा ने महाभियोग को चुनौती दी थी

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया। उन्हें 12 जनवरी को संसदीय समिति के सामने जवाब देना है। दरअसल,जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी,जो उनके अनुसार गलत है। एक दिन पहले,6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया।

प्रख्यात वैज्ञानिक और पारिस्थितिकीविद डॉ. माधव गाडगिल का पुणे में निधन

मुंबई,08 जनवरी 2026। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रख्यात वैज्ञानिक और पारिस्थिकीविद डॉ. माधव गाडगिल (82) का बीती रात पुणे स्थित डॉ. शिरीष प्रयाग हॉस्पिटल में निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से डॉ. माधव गाडगिल का इस अस्पताल में इलाज हो रहा था। यह जानकारी माधव गाडगिल के बेटे सिद्धार्थ गाडगिल ने गुरुवार को दी। पारिस्थिकीविद डॉ. गाडगिल को भारत के अग्रणी पर्यावरण चिंतकों में गिना जाता था। उन्हें 'धरती पुत्र' भी कहा जाता है। उन्होंने पूरी जिंदगी भारत में पर्यावरणीय, खासकर वेस्टर्न घाट की जैव विविधता के बारे में जागरूकता को जिंदा रखने की कोशिश की। माधव गाडगिल ने ही सबसे पहले प्रशासन को चेतावनी दी थी कि पश्चिमी घाट में हो रहे विकास के काम से घाट के जानवरों और पेड़-पौधों और पूरे पारिस्थिकी संतुलन के लिए बड़ा संकट पैदा हो सकता है। पारिस्थिकीविद डॉ.गाडगिल की 2011 में तैयार की गई गाडगिल रिपोर्ट एक आईना थी, जिसने उस सोच की कड़वी सच्चाई को दिखाया जो विकास के काम के लिए पर्यावरण जैव विविधता को नुकसान पहुंचाने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

दिल्ली में पत्थरबाजी मामला...सपा सांसद से पूछताछ करेगी पुलिस,अब तक 11 गिरफ्तार

मुंबई,08 जनवरी 2026। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी को लेकर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक,दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पत्थरबाजी में शामिल 30 लोगों और सोशल मीडिया पर मस्जिद गिराने की अफवाह फैलाने वाले 10 इन्फ्लुएंसर की पहचान की है। हिंसा के मामले में 6 और गिरफ्तारियों के साथ कुल 11 लोग पकड़े गए हैं,जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। दरअसल पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने से जुड़ा है। पुलिस की टीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अतिक्रमण हटाने गई थी। इस बीच कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद गिराई जाएगी। जिससे हिंसा भड़की। पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके गए,5 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा

घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे,ये काम 30 दिन में पूरा होगा

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरुआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

आपदा में सटीक राहत- जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदा के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे। इस ब्योरे से बचाव के लिए जरूरी तमाम नौका, हेलिकॉप्टर, फूड पैकेट आदि की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप Android और iOS दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी,जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

स्टार्टअप और एआई एंटरप्रेन्योर भारत के भविष्य के सह-निर्माता : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि स्टार्टअप्स और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल्स को स्थानीय और स्वदेशी कंटेंट के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने ये बातें आज नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास 7,लोक कल्याण मार्ग पर 12 भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्ट-अप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहीं। ये स्टार्ट-अप्स आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में आयोजित होने वाली 'एआई फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज' के लिए चयनित हुए हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में नवाचार और बड़े पैमाने पर तकनीक के कार्यान्वयन की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की भावना को प्रतिबिंबित करने वाला विशिष्ट एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई समाज में व्यापक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है और भारत अगले महीने आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के माध्यम से वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत एआई का प्रभावी उपयोग कर परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक,निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता के सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल स्थानीय एवं स्वदेशी कंटेंट तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दें। साथ ही, उन्होंने स्टार्ट-अप्स से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करने और किफायती,समावेशी एवं फ्रूगल इनोवेशन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने एआई स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को आश्वासन दिया कि उनके एआई मॉडलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। राउंड टेबल में शामिल एआई स्टार्ट-अप्स ने भारत में एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि एआई क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के कारण नवाचार और क्रियान्वयन का वैश्विक केंद्र भारत की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

झारखंडःशराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई...केडिया डिस्टलरी का मालिक नवीन गोवा से गिरफ्तार

झारखंड,08 जनवरी 2026। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में जांच एजेंसियों ने अब सबसे अहम कड़ी को पकड़ लिया है। लंबे समय से फरार चल रहे केडिया डिस्टलरी के मालिक नवीन केडिया को झारखंड एसीबी/ईओडब्ल्यू की टीम ने गोवा से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जांच टीम रांची रवाना हो गई है,जहां उससे घोटाले से जुड़े पूरे नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी। माना जा रहा है कि इस मामले में आने वाले दिनों में और भी बड़े नाम सामने आ सकते हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, झारखंड में देशी शराब की सप्लाई का जिम्मा नवीन केडिया के पास था। आरोप है कि इसी सप्लाई व्यवस्था में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं, जिससे राज्य सरकार को करीब 136 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। एसीबी की जांच में यह भी सामने आया है कि शराब सप्लाई से जुड़े हर कार्टून पर 300 से 600 रुपए तक का कमीशन तय था, जो कथित तौर पर तत्कालीन अधिकारियों विनय चौबे और अरुणपति त्रिपाठी तक पहुंचाया जाता था। नवीन केडिया को इससे पहले पूछताछ के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह जांच से बचता रहा। गिरफ्तारी की आशंका के चलते उसने एसीबी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका भी दाखिल की थी,जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

तेलंगाना में कार डिवाइडर से टकराई,4 छात्रों की मौत

तेलंगाना,08 जनवरी 2026। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला इलाके में एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में ICFAI बिजनस स्कूल के चार छात्रों की मौत हो गई। हादसे में एक छात्रा घायल है। इसकी हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ में घुस गई। पुलिस ने बताया का हादसा रात करीब 1:30 बजे मोकीला थाना क्षेत्र में हुआ। सभी छात्र दोस्त की जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। स्पीड ज्यादा तेज होने के कारण ड्राइवर ने कार से कंट्रोल खो दिया। पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों और घायल की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम कारगयाला सुमित (20), निखिल (20),देवाला सूर्या तेजा (20) और बलमूरी रोहित (18) हैं। घायल छात्रा का नाम सुंकारी नक्षत्रा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुंरत अस्पताल भेज दिया गया जिसका इलाज जारी है।

बेटे के निधन से टूटे अनिल अग्रवाल,अपनी 75 प्रतिशत संपत्ति दान करने का संकल्प दोहराया

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। भारत के दिग्गज उद्योगपति और वेदांता रिसोर्सेज के संस्थापक अनिल अग्रवाल इस समय अपने जीवन के सबसे कठिन और अंधकारमय दौर का सामना कर रहे हैं। अपने जवान बेटे अग्निवेश अग्रवाल के आकस्मिक निधन ने उन्हें झकझोर कर रख दिया है। इस असीम दुःख की घड़ी में अनिल अग्रवाल ने एक ऐसा फैसला दोहराया है जिसने पूरी दुनिया को उनकी उदारता का कायल बना दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वह अपनी कुल कमाई का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा परोपकारी कार्यों के लिए दान कर देंगे।

पुत्र वियोग का असहनीय दुःख और सादगी का संकल्प : अनिल अग्रवाल ने एक अत्यंत भावुक संदेश साझा करते हुए बताया कि उनके बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 वर्ष की आयु में अमेरिका में इलाज के दौरान कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) से निधन हो गया। एक पिता के लिए अपने बेटे के पार्थिव शरीर को देखना सबसे बड़ा कष्ट है। उन्होंने लिखा कि वह और उनकी पत्नी किरण अग्रवाल अंदर से टूट चुके हैं। हालांकि,इस दुःख के बीच उन्होंने संकल्प लिया है कि वे अपनी बाकी की जिंदगी और भी अधिक सादगी से जिएंगे और अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाज के उत्थान में लगाएंगे। अनिल अग्रवाल ने खुलासा किया कि अपनी संपत्ति का 75% हिस्सा दान करने का वादा उन्होंने अपने बेटे अग्निवेश से ही किया था। उन्होंने कहा कि उनके और उनके बेटे के सपने एक समान थे। अग्निवेश चाहते थे कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न रहे। बेटे के जाने के बाद अनिल अग्रवाल ने इस प्रतिज्ञा को और अधिक मजबूती दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब उनका हर प्रयास और उनकी हर कमाई उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए होगी जिससे गरीबों और वंचितों का भला हो सके। अनिल अग्रवाल की कहानी शून्य से शिखर तक पहुँचने की एक मिसाल है। 1954 में बिहार के पटना में जन्मे अनिल ने अपने पिता के साथ कबाड़ के छोटे से कारोबार से शुरुआत की थी। मात्र 19 साल की उम्र में वे कुछ कर गुजरने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे। कई बार असफलताओं का सामना करने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 1976 में वेदांता ग्रुप की नींव रखी।

संपादकीय

कूटनीति में बौद्ध विरासत का उपयोग

भारत का अपनी बौद्ध विरासत पर नियंत्रण रखना और स्वयं को उसका पालक दिखाना आवश्यक

भारत को आज ज्यादा से ज्यादा मित्र राष्ट्रों की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति में बौद्ध धर्म पर आधारित कूटनीति बहुत कारगर हो सकती है। इसका भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए,ताकि हम वैश्विक स्तर पर बौद्ध धर्म से प्रभावित जनता की सद्भावना आकर्षित कर सकें। भारत का अपनी बौद्ध विरासत पर नियंत्रण रखना और स्वयं को उसका पोषक दिखाना आवश्यक हो चुका है। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल कलाकृतियां नहीं हैं। ये हमारी विरासत एवं सभ्यता का अभिन्न हिस्सा हैं और भारत इसका संरक्षक है। पिपरहवा अवशेषों को एक सदी से अधिक समय बाद देश वापस लाया गया है। भारत लाए जाने के बाद इन अवशेषों को रूस के कालिमकिया क्षेत्र में ले जाया गया, जहां 1.5 लाख से अधिक भक्तों ने उनका अवलोकन किया। इसके अलावा उन्हें भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड भी ले जाया गया।

भारत से निकले असंख्य ज्ञानी भिक्षुओं के कारण बौद्ध धर्म दुनिया के अनेक देशों में प्रचलित और स्वीकार्य है। चूंकि दक्षिण पूर्वी एशिया में शासक आपसी संवाद में बौद्ध धर्म को बहुत महत्व देते थे,इसलिए विश्व सुलह और शांति के लिए बौद्ध धर्म का उपयोग स्वाभाविक है। वर्तमान एशिया में लगभग 45 करो बौद्ध रहते हैं,जिसकी वजह से बौद्ध धर्म एक साफ्ट पावर है। भारत से ही बौद्ध धर्मावलंबी तिब्बत,चीन,जापान,कोरिया,श्रीलंका,थाईलैंड,लाओस और वियतनाम आदि गए। बौद्ध धर्म पर आधारित कूटनीति चलाना भारत के लिए नई बात नहीं है। मनमोहन सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय की नींव रखी थी। इस विश्वविद्यालय का एक उद्देश्य शास्त्रीय भाषा पाली का प्रचार-प्रसार करना और एशिया से छात्रों और शोधकर्ताओं को भारत आकर्षित करना भी है। बौद्ध धर्म का कूटनीतिक उपयोग मोदी सरकार का एक अंग बन गया है। इस संदर्भ में यह ठीक ही कहा गया है कि कि मोदी सरकार की नीति है-हिंदू संस्कृति, बौद्ध विरासत। पिपरहवा अवशेषों की कहानी भी दिलचस्प है। 1898 में अमूल्य रत्न उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में अंग्रेज जमींदार विलियम पेप को मौर्यकालीन स्तूप की खोदाई में मिले। उनके साथ कुछ अस्थि-अवशेष एक कलश में पाए गए, जिस पर प्राचीन ब्राह्मी में उत्कीर्ण था कि स्वयं भगवान बुद्ध के शाक्य कुल के सदस्यों ने इसे यहां रखा है। अंग्रेजों ने कुछ रत्न श्याम (प्राचीन थाईलैंड) के बौद्ध नरेश को उपहार में दिए,कुछ श्रीलंका और म्यांमार के बौद्ध मंदिरों में भेजे और एक हिस्सा कोलकाता के संग्रहालय में रखा और करीब 334 रत्नाभूषण जमींदार पेप ने अपने पास रखे। इन्हें बीते साल उनके वंशजों ने एक नीलामी घर सूथबीज को बोली लगाने के लिए सौंप दिया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने सूथबीज को नोटिस भेज नीलामी रुकवाई और गोदरेज समूह ने इस अमूल्य धरोहर को भारत लाने में आर्थिक योगदान दिया,पर हर देश ऐसा नहीं कर पाता।

कोरियाई युद्ध के बाद हजारों-हजार बौद्ध पुरावशेष चोर बाजार में हाथों-हाथ बिके। कोरिया में बौद्ध धर्म का सबसे तेजी से ह्रास हुआ है, पर अपने आसपास के बौद्ध देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध रखने के लिए बे पैमाने पर वहां बौद्ध गोष्ठियां होती हैं। कभी चोल साम्राज्य और तदनंतर भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव में रहे दक्षिण-पूर्वी एशिया देशों की हमने उपेक्षा की। इसका फायदा पहले पश्चिमी देशों और फिर चीन ने उठाया। 2000 में मीकांग-गंगा कोआपरेशन के तहत भारत ने पांच आसियान देशों कंबोडिया,लाओस,म्यांमार,थाईलैंड और वियतनाम के पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के साथ-साथ परिवहन और संचार क्षेत्र में सहयोग की पहल की। आज ब्रिटेन,जर्मनी और अमेरिका में कई संसाधनसंपन्न विश्वविद्यालय बौद्ध धर्म और पाली के पठन-पाठन के माध्यम से अपने राजनीतिक हित पूरे कर रहे हैं। इससे बौद्ध धर्म के अध्ययन में अप्रासंगिक त्रुटियां घर कर जाने का खतरा है,जो चिंताजनक है। हमें यह समझना चाहिए कि दक्षिण-पूर्वी एशिया में बौद्ध धर्म पालन और संरक्षण में हमारी स्वाभाविक और निर्णायक भूमिका है। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की गांधार सभ्यता और उसकी शैव और बौद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत भारत की है। अपने बौद्ध स्थलों का हवाला देते हुए कुछ समय पहले पाकिस्तानी राजदूत नबील मुनीर ने कहा था कि बौद्ध धर्म पाकिस्तान से कोरिया गया और वहां प्रचलित महायान बौद्ध धर्म का उद्भव भी पाकिस्तान में ही हुआ। भारत अगर पाकिस्तान की ऐसी कुटिलता का प्रत्युत्तर नहीं देगा और बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म नामक वृक्ष की ही एक डाली नहीं कहेगा, तो पाकिस्तान हमारी अनमोल विरासत को हथिया सकता है। बौद्ध धर्म का सर्वेसर्वा बनने के लिए चीन भी हाथ-पांव मार रहा है। दरअसल जब भारत अपना भविष्य यूरोप और अमेरिका में देख रहा था,तब बौद्ध धर्म के सहारे चीन एशिया में अपने पांव जमा रहा था।

1618 करोड़ खर्च के बाद भी जीवित नर्मदा नदी के अस्तित्व को खतरा

आत्माराम यादव पीव
ग्वालटोली नर्मदापुरम मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान की तत्कालीन प्रदेश सरकार ने नर्मदा नदी को एक जीवित एकाई मानकर सम्पूर्ण प्रदेश में जागरूकता लाने के लिए 2 जुलाई 2011 को प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट को आधार बनाकर नर्मदा के सपूत पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पर्यावरणविद अनिल माधव दबे कि पहल पर नर्मदा जल को स्वच्छ बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्रीचौहान ने 1618 करोड़ रुपए की नमामि देवी नर्मदे योजना की शुरुआत 11 दिसंबर 2016 को करते हुये नर्मदा के किनारे के शहरों में 1077 किलोमीटर सहित कुल 2930 किलोमीटर की यात्रा 148 दिनो में पूरी कर इसे सांस्कृतिक ओर धार्मिक यात्रा का रूप दिया किन्तु यह दुर्भाग्य रहा की 148 दिन की यात्रा पूरी होते ही 9 दिन बाद 17 मई 2017 को श्री अनिल माधव दवे जी का निधन हो गया, जिसमें उनका संरक्षण ओर निगरानी के अभाव में मध्यप्रदेश की लाइफलाइन कही जाने वाली नर्मदा नदी को निर्मल बनाने हेतु इस वृहद योजना में 1618 करोड़ का बजट जिसमें 873 करोड़ राज्य सरकार के तथा शेष राशि एशियन डेवलपमेंट बैंक,वर्ल्ड बैंक और जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू से कर्ज लिया गया लेकिन इस कर्ज की राशि से नर्मदा किनारे बसे 10 शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाकर गंदा पानी मिलने से रोकने के प्रयास के चिन्ह दिखाई नहीं देए अलबत्ता कुछ जगह नए एसटीपी भी बनाए गए। इस नमामि देवी नर्मदे योजना हेतु निकली यात्रा के प्रचार प्रसार हेतु तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभिनेता विवेक ओबेरॉय,अनुपम खेर,गोविंदा, और सुजैन बर्नर्ट,आध्यात्मिक गुरु सदुरु जग्गी वासुदेव,दलाई लामा, शास्त्रीय संगीतकार सोनल मानसिंह, और विश्व मोहन भट्ट जैसे कई लोग शामिल को साथ रखकर वाहवाही लूटी किन्तु आज 8 साल बाद भी नर्मदा स्वच्छ नहीं हो सकी,उल्टे उसके अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है।

1618 करोड़ रुपए मामूली रकम नहीं है किन्तु नमामि देवी नर्मदे योजना का की इस राशि से नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना और उनका समर्थन हासिल करने में क्या यह सरकार सफल रही थी,यह यक्ष प्रश्न इसलिए भी प्रासंगिक है क्योकि इस योजना के तहत,जैविक खेती,मिट्टी के संरक्षण, पानी के संरक्षण,वनीकरण,और प्रदूषण को कम करने जैसे कामों की रिपोर्ट सामने नहीं आ सकी कि उल्टे जनता ने खुद अपनी आंखो से देखा की इस राशि का विशाल आयोजन,यात्रा खर्च एवं बुलाये गए अतिथियों पर हुआ जिसमें जहां नर्मदा को सम्मान देने की बजाय जगह-जगह खुद का सम्मान कराकर योजना का गुणगान किया गया था,किन्तु आज इस सरकार के वे 1618 करोड़ किस स्थान पर किस तरह खर्च किए गए,किसी भी जिले में उसके प्रमाण ढूंढे नहीं मिलेंगे। आज वही नर्मदा अपने अस्तित्व को लेकर बैचेन है उसके सम्मान में नमामि नर्मदे मध्यभारत की प्रसिद्ध नदी नर्मदा जिसका पौराणिक महत्व रामायण ओर महाभारत में अनेक बार किया गया है वह पुण्यदायिनी अमरकंटक पर्वत से निस्सृत होकर भृगुकच्छ भाड़ोच के पास खंभात की खाड़ी में गिरती है,का रास्ते का तो पता नहीं किन्तु यहाँ नर्मदापुर संभाग ओर सीहोर जिले में चल रहे करखानों,मिलों ओर फेक्टरियों द्वारा का,जल को प्रदूषित करने सा साथ ही रेतचोरों के कारण नर्मदा नदी संकट में है ओर बुरे हाल में होने से नर्मदा के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। खुद को नर्मदा मैया का बेटा कहकर नर्मदा के जल को प्रदेश के विभिन्न संभागों जिलों में लेजाकर जल का कारोबार कर सरकार की तिजोरी भरने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ओर वर्तमान केंद्रीय सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सभाओ में ओर नर्मदा मंच से नर्मदे हर,नर्मदामैया की जय बोलकर भले भोले भाले नादानों से वाहवाही लूटने में सफल रहे किन्तु उनके द्वारा खोली गई फेक्टरिया-कारखाने चौबीसों घंटे नर्मदा जल अशुद्ध कर नर्मदा के अस्तित्व के लिए संकट पैदा कर नर्मदा को गहन पीडा पहुचाने का जश्न मनाते रहे है।

शिवराज सिंह चौहान ने अपने मुख्यमंत्री रहने के दरम्यान बुदनी में वर्धमान एवं अभिषेक फेक्ट्री तथा बाबई में कोकाकोला जैसे बडे कारखाने खुलवाकर उन्हे नर्मदा से

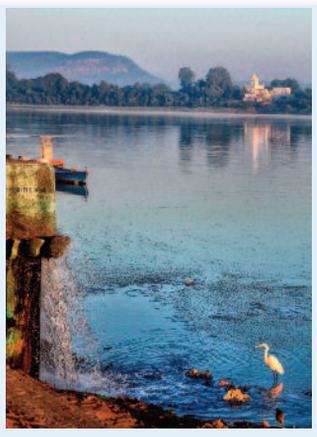

असीममित जल की सुविधा देकर नर्मदा जल का दुरूपयोग की सुविधा देकर इन कारखानों से निकलने वाले प्रदूषित जल को सीधे नर्मदा में मिलने से नहीं रोक सके है। इतना ही नहीं नर्मदापुरम नगर का निस्तारी का नाला शहरवासियों की समूची गंदगी लेकर खुलेआम नर्मदा में मिलने से नर्मदा का जल पर्यावरण घाट से दूषित हो रहा है जो आगे सेठानी घाट से होकर निकलने पर मजबूरन इसी गंदे नाले के मिश्रित जल से स्नानार्थीओ को स्नान करने की विवशता से सभी की भावनाओं को आहत किया जा रहा है। राज्य के 16 जिले ऐसे हैं जिनके गंदे नालों का प्रदूषित पानी नर्मदा में प्रदूषण के स्तर को बढ़ा रहा है ओर वहाँ की नगरपालिकाओं और नगर निगमों द्वारा गंदे नालों के ज़रिए दूषित जल नर्मदा में बहाने पर सरकार रोक नहीं लगा पाई है और न ही आज तक नगरीय संस्थाओं के लिए दूषित जल के निकासी की कोई योजना बना पाई है। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्र के कटाव से भी नर्मदा में प्रदूषण बढ़ रहा है। नर्मदा नदी 16 जिलों की सीमाओं के भीतर से होकर निकलती है जिसमें मध्यप्रदेश के इन जिलों से निकलने वाले 150 से अधिक नालों का गंदा पानी और ठोस मल पदार्थ रोज़ नर्मदा जल में बहाया जाता है,जिससे अनेक स्थानों पर नर्मदाजल खतरनाक रूप से प्रदूषित हो रही है ओर सबसे अधिक नाले नर्मदापुरम में 32 बताए गए है जो खतरनाक रूप ले कर नर्मदा की पवित्रता समाप्त करने पर आमादा है।

नर्मदा नदी में सीधे मिलने वाले नालों के इन्टरसेप्शन एवं डायवर्सन के लिये बनाई गई योजना के अनुसार पम्प एवं सम्प वैल की स्थापना कर डायवर्सन की कार्यवाही तो प्रारम्भ कर दी गई है परन्तु डायवर्सन के उपरांत सीवेज के ट्रीटमेंट के लिये बनाई गई योजना की वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को भेजा गया है, जिसकी स्वीकृति अपेक्षित है । नर्मदा प्रदूषण उपशमन समिति द्वारा किये गये निरीक्षण/सर्वेक्षण में प्रदूषण की स्थिति नर्मदापुरम के घाटों पर पाई गई है जिसमें कोरी घाट पर मिलने वाले नाले के डायवर्सन के लिये बनाये गये सम्प एवं पम्प हाउस को बन्द रखा गया है ओर सीवेज के नालों से प्रदूषण नियंत्रण के लिये इस योजना को पुनरीक्षित कर वर्तमान की सभी पर्यावरणीय समस्याओं को इसमें शामिल किया किन्तु कार्य शुरू नही हो सके। प्रदेश सरकार के आंकड़े देखे जाए तो नर्मदापुरम जिले में 32 नाले हैं, मंडला जिले में 16, जबलपुर ज़िले में 22 बड़े नाले,खंडवा जिले में 18 बड़वानी जिले में 11,अनूपपुर जिले में 9, खरगौन जिले में-10,डिंडौरी में 9 और रायसेन जिले में 7 नाले,हरदा जिले में 8,सीहोर जिले में 7 नाले ओर देवास जिले में 12 बड़े नाले है जो गंदे पानी और ठोस मल पदार्थों से प्रदूषित करते है वही अनेक स्थानों पर नर्मदातटीय खेतिहर भूमि से रासायनिक खाद और कीटनाशकों का पानी भी नर्मदा में बहाया जाता है। नर्मदा का कछार अब पहले जैसे वनक्षेत्र नहीं रह गया अब वहाँ भी कृषि होने से हर जगह कृषि क्षेत्र में लगातार वृद्धि हो रही है। लाभकारी खेती के लिए किसान कई प्रकार के रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग करते हैं। एक फसल के दौरान पांच से सात बार सिचाई भी होती है। इसके बाद भी खाद और कीटनाशकों के घातक रसायन खेत की मिट्टी में घुलमिल जाते हैं जो वर्षाकाल में पानी के साथ बहकर नर्मदा नदी में मिलते हैं और इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। वनक्षेत्रों में कमी के कारण मिट्टी और मुलायम चट्टानों में कटाव से भी नदी में जमाव बढ़ रहा है और प्रदूषण फैल रहा है।

शहरी गंदे नालों,फेक्टरियों के केमिकल प्रदूषित जल ओर किसानों के कीटनाशक घातक रसायनों की खेत की मिट्टी से नर्मदा में मिलने वाले जल से नर्मदा नदी खुद बीमार हो जाती है,परिणामस्वरूप हर तीन-चार साल बाद नर्मदा को अजीब बीमारी लग जाती है जिसे आड़ोला घास का प्रकोप कहा गया है। पिछले एक दशक से नर्मदा को गंभीर रोग हर साल लगता है जिसमें जहॉ उसका जलस्तर तेजी से गिरता है वहीं अजोला नाम की घास नर्मदा के जल में फैल जाती है जिससे लोगों को स्नान और आचमन में परेशानी होती है,वहीं कई लोग इससे आने वाले भावी खतरों के भय से स्नान नहीं करते,तो कईयों का कहना रहता है कि अजोला के रहते स्नान करने से लोगों की त्वचा में जलन,खुजली जैसे चर्मरोग हाने का प्रमाण सामने आये है। नर्मदा को होने वाले खतरों को लेकर पर्यावरणविदों की कोई पड़ताल भी सामने नहीं आ सकी है बस नर्मदा के किनारे रहने वाले कुछ लोगों के आधे अधूरे ज्ञान को बिन किसी वैज्ञानिक प्रमाण के स्थानीय मीडिया सहित बड़े अखबारों के संस्करण प्रमुखता से छापकर तरह तरह के तर्क-कुतर्क छापकर लोगो की चिंता बढ़ाते है। कुछेक ज्ञानचंद इसे जैविक खाद होने ओर जानवरों का चारा बनाने की बात कर आश्चर्यचकित करते है ओर नगरपालिका इसे साफ कर अम्बार लगाकर अपनी इतिश्री समझ लेती है।

बीते कुछ सालों में नर्मदा नदी के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। एक तरफ लोग इसे माँ मानकर पूजते रहे दूसरी ओर तमाम गन्दगी और जहर इसके पानी में उड़ेलते रहे। यहीं से शुरू हुए इस सदानीरा और पवित्र नदी के बुरे दिन। मूर्तियाँ,पूजन सामग्री से लेकर शहरों और कस्बों की नालियों का गन्दा सीवेज,खेतों में कीटनाशक और रासायनिक खादों का जहर,मुर्दों की राख कूड़ा-कर्कट सब कुछ इसी में प्रवाहित कर पुण्य की कामना करते है। सरकार ने अमृत जल योजना के नाम पर कंपनियों को नर्मदा का जल बेच दिये जो प्रत्येक तटीय गाँव। पंचायत, जनपद,नगरपंचायत,नगरपालिका ओर नगरनिगमों में अपना जलविभाग खोलकर सभी जगह पाइप लाइन बिछाकर नर्मदा के जल का दोहन करने पर तुली है। रेत माफिया अवैध खनन कर नर्मदा के दिल को चीरकर रेत का परिवहन कर रहे है। जंगल काटे जा रहे है , नर्मदा में बिजली का उत्पादन राज्य ओर केंद्र सरकार कर नर्मदा जल का उपयोग कर रही है । रोज हजारों डंफर रेत का उत्खनन हो रहा है यही कारण है की फरवरी मार्च का महिना आए ही नर्मदा कई जगह उथली तो कई जगह सूखने लगती है। हर कभी नर्मदा जल के ऊपर कभी काई-कभी झाई तो कभी जलकुंभी तैरने लगती है जो नर्मदा के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। रसायनिक खाद ओर फेक्टरियों के जहरीले अनुपयोगी हुये निस्तारित झाग ओर पानी से नर्मदा का श्रृंगार तहस नहस हो रहा है , नर्मदा खतरे में है ओर सरकार इस जीवित इकाई को मरणासन्न होने से रोकती दिखाई नहीं दे रही है।

उच्च शिक्षा की समस्याओं का समाधान

अगर हमें 2035 तक सकल नामांकन का अनुपात 50 प्रतिशत तक पहुंचाना है,उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना है और केवल डिग्री पर केंद्रित न रह कर सीखने की सामर्थ्य को प्रोत्साहित करना है तो संस्थान निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। हमारे आज के प्रयास से भारत के शिक्षा संस्थान न केवल युवा पीढ़ी की महत्वाकांक्षाओं को सही दिशा दे सकेंगे,बल्कि यही युवा आगे चलकर विकसित भारत 2047 की नींव भी मजबूत करेंगे...

प्रमथ राज सिन्हा

केवल डिग्री हासिल कर लेने को शिक्षा नहीं कह सकते। शिक्षा वह शक्ति है,जो जीवन को दिशा देती है। सफल शिक्षा एक व्यक्ति के सोचने का तरीका बदल सकती है, उसे जीवन उद्देश्य दे सकती है और अपने भीतर छिपी संभाव नाएं पहचानने का अवसर दे सकती है। खासतौर पर उच्च शिक्षा वह पड़ाव है, जहां युवा अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानते हैं और भविष्य की राह खोजने की शुरुआत करते हैं। जहां एक तरफ स्कूली शिक्षा हमें हमारे आसपास की दुनिया का ज्ञान देती है,वहीं उच्च शिक्षा छात्रों को अपने विकल्प जानने की आजादी देती है। उच्च शिक्षा समय है अलग-अलग विषयों और क्षेत्रों को समझने और यह तय करने का कि उन्हें जीवन में क्या करना है। यह प्रक्रिया सरल नहीं, जटिल होती है। एक छात्र के आजादी से अपनी राह चुन सकने के पीछे एक मजबूत संस्थान, संसाधन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में संस्थान निर्माण एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी की उम्र 35 वर्ष से कम है। हर साल लाखों छात्र स्कूलों से निकलकर उच्च शिक्षा की ओर रुख करते हैं, लेकिन संस्थानों में इतनी सीटें ही नहीं कि सबको दाखिला मिल सके। नतीजतन प्रतिस्पर्धा और तेज होती जा रही है और परीक्षाएं और ज्यादा मानकीकृत हो रही हैं।

इस सबके साथ-साथ व्यवस्था अक्सर प्रशासनिक सुविधा की सहूलियत देखती है। इस गहन माहौल में हर छात्र की अलग पहचान और क्षमता पर ध्यान दे पाना असंभव हो जाता है। आज भारत में लगभग 70,018 उच्च शिक्षा संस्थान हैं। भले ही यह उत्साहजनक लगे,लेकिन देश की जरूरतों के मुकाबले अभी भी पर्याप्त नहीं। युवावर्ग अब भी बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा खोज रहा है। आपूर्ति की कमी का असर छात्र के इस निर्णय पर पड़ता है कि वह कहां पढ़े। सख्त आव्रजन नीतियों के बाद भी भारतीय छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं। कनाडा,अमेरिका और ब्रिटेन उनके प्रमुख गंतव्य हैं। हालांकि अब फ्रांस,आयरलैंड और इटली भी तेजी से छात्रों में लोकप्रिय हो रहे हैं। जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार 12 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे। इस आंकड़े से घरेलू स्तर पर आवश्यकता और सीमित विकल्प साफ उजागर होते हैं। इन चुनौतियों के बीच से ही बड़े अवसर भी उत्पन्न होते हैं।तेजी से बदलती दुनिया में पहला अवसर नवाचार में निहित है। भारत में हमें अधिक बहुविषयक कार्यक्रमों की आवश्यकता है। हमें ऐसे कार्यक्रमों के बारे में सोचना होगा, जो तकनीक, पर्यावरण, सूचना और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हों। मैनेजमेंट,कानून और मेडिकल जैसे पारंपरिक कोर्स को भी नए ढंग से देखना होगा। नए पाठ्यक्रम,बेहतर तकनीक और उद्योग से पढ़ाई को जोड़ कर भारतीय संस्थान खुद को वैश्विक स्तर पर मजबूत बना सकते हैं। दूसरा बड़ा अवसर है, डिजिटल शिक्षा। हाइब्रिड माडल प्रभावी हो सकते हैं, जिन्हें आनलाइन और आफलाइन पढ़ाई को मिलाकर बनाया गया हो। अगर सही ढंग से लागू किए जाएं तो ये बड़े पैमाने पर लाभकारी शिक्षा का साधन बन सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविध देश में, जहां छात्र दूरदराज के इलाकों में रहते हैं, डिजिटल शिक्षा एक असरदार समाधान प्रस्तुत करती है।

वैश्विक विश्व युद्ध के मुहानें पर बैठी मानवता

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़,

हुक्मरानों की सनक और सत्ता लोलुपता

सावधान? मानवीय जीवन आज परमाणु युद्ध के कगार पर खड़ा है और पूरी पृथ्वी जैसे किसी सक्रिय ज्वालामुखी के मुख पर बैठी हुई प्रतीक्षा कर रही है कि अगला सनकी आदेश किस राजधानी से निकलेगा। परमाणु संपन्न देशों के शासक स्वयं को वैश्विक सिरमौर सिद्ध करने की खतरनाक होड़ में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, विस्तारवादी मंसूबों और व्यक्तिगत सनकों को मानवता के अस्तित्व से ऊपर रख चुके हैं।

चीन,रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश जहाँ परमाणु शक्ति तानाशाही प्रवृत्तियों के हाथों में केंद्रित है। वहाँ यह खतरा और भी भयावह हो जाता है क्योंकि इतिहास गवाह है कि जब सत्ता विवेक से कट जाती है तब युद्ध अपरिहार्य हो जाता है, अमेरिका द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम आज भी मानवता के माथे पर कलंक की तरह दर्ज हैं। उसे समय के परमाणु हमले के विकिरण के दुष्प्रभाव आज भी जापान के बच्चों के शरीर और भविष्य में देखे जा सकते हैं। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन द्वारा 2022 के बाद से सौ से अधिक हथियारों के परीक्षण जिनमें अमेरिका,दक्षिण कोरिया और जापान को लक्ष्य करने वाली परमाणु मिसाइलें शामिल हैं। यही इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह देश किसी भी क्षण सनक में विनाशकारी कदम उठा सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते बल्कि वैश्विक संतुलन को झकझोर कर रखा देते हैं और यूक्रेन को नाटो तथा अमेरिका से मिल रही सहायता के कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई बार सार्वजनिक रूप से परमाणु हथियारों के प्रयोग की धमकी दे चुके हैं । जबकि उन्हें यह अनुमान ही नहीं था कि यूक्रेन इतना लंबा प्रतिरोध कर पाएगा, चीन और ताइवान विवाद में भी अमेरिका के परोक्ष हस्तक्षेप से नाराज चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। जिससे एशिया प्रशांत क्षेत्र युद्ध के केंद्र में आ सकता है। यह भी सर्वविदित तथ्य है कि रूस,चीन और उत्तर कोरिया वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अमेरिका के सबसे बड़े रणनीतिक विरोधी बन चुके हैं और अमेरिका स्वयं को विश्व का सर्वशक्तिमान बनाए रखने के दबाव में लगातार युद्धोन्मुखी नीति अपनाए हुए है।

एसआईआर पर क्या होना चाहिए, आम लोगों को पूरा मौका मिले

संजीव कुमार

यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल जारी हो गया है जिसमें 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं। चुनाव आयोग ने नामों को काटने की वजहें बताई हैं,लेकिन लोगों को दावे-आपत्तियों के लिए सरल प्रक्रिया की आवश्यकता है। बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था। वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे। कई राजनीतिक विवाद और तारीखें बढ़ने के बाद आखिरकार यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल जारी हो गया। चुनाव आयोग ने बताया है कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की

ड्राफ्ट लिस्ट आई है,वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रिया सरल और आम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए।

अनुभव एक महान शिक्षक है, इसलिए गलतियों से डरो नहीं, उनसे सीख लो।

महात्मा गांधी

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

सीएम ने नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक तय किया

मुख्यमंत्री साय ने अंबिकापुर पहुंचकर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की दिवंगत मां स्वर्णलता सिंहदेव की तेरहवीं में श्रद्धांजलि अर्पित की...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को हेलीकॉप्टर से अंबिकापुर पहुंचकर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की दिवंगत मां स्वर्णलता सिंहदेव के तेरहवीं कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्णलता सिंहदेव के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उनके साथ इस कार्यक्रम में मंत्री, सांसद,विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता भी मौजूद थे। स्वर्णलता सिंहदेव का निधन 26 दिसंबर 2023 को रायपुर के एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान हुआ था। उनकी तेरहवीं के मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अंबिकापुर पहुंचे, जहां पर उन्होंने ब्रह्मभोज कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले, उन्होंने पीजी कॉलेज स्थित हेलीपैड पर मंत्री,विधायक और अन्य नेताओं से

स्वागत लिया और फिर हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के मनेंद्रगढ़ रोड स्थित पंजाब गार्डन निवास स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल,सांसद चिंतामणि महाराज,लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज,सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा,पूर्व सांसद राजनांदगांव अभिषेक सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,नगर पालिक निगम अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल जैसे कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम विष्णुदेव साय ने शोक व्यक्त करते हुए कहा,'मैं यहां हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की मां स्वर्णलता सिंहदेव को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए आया हूं।' इस दौरान उन्होंने राज्य की विकास योजनाओं को लेकर भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने जीरामजी योजना के संदर्भ में बात करते हुए कहा,'यह योजना पूरे देश के लिए कई दृष्टिकोण से फायदेमंद है। अब मजदूरों को 100 दिन की बजाय 125 दिन तक रोजगार मिलेगा, साथ ही एक सप्ताह के भीतर मजदूरी का भुगतान भी सुनिश्चित होगा। अगर समय पर भुगतान नहीं हुआ तो पेनाल्टी भी लगेगी। इससे ज्यादा काम और ज्यादा मजदूरी दोनों मिलेंगे। छत्तीसगढ़ के किसान अब पहले से ज्यादा राहत महसूस करेंगे,क्योंकि धान का कटोरा होने के कारण पहले किसानों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। 'मुख्यमंत्री ने नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का यह संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त किया जाएगा। इस दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को लेकर उन्होंने आश्वासन दिया कि तीन महीने बाद,यानी मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

उनका मानना है कि यह केवल राज्य की सुरक्षा के लिए नहीं,बल्कि यहां के नागरिकों के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि राज्य में विकास की गति तेज़ हो रही है और आगामी समय में छत्तीसगढ़ में रोजगार, किसानों की स्थिति में सुधार, और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभ में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम ने स्थानीय नेताओं और आम नागरिकों में सकारात्मक माहौल पैदा किया,और सीएम की उपस्थिति ने राज्य की वर्तमान विकास योजनाओं और भविष्य के लक्ष्यों के प्रति विश्वास और उत्साह को और मजबूत किया।

गुरु गोविन्द सिंह किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं,अपितु अन्याय के खिलाफ लड़े

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

सर्व समाज एकता मंच ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती उपलक्ष पर गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत फादर विलियम ने सर्व समाज के गठन के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत एक ऐसा बगीचा है जहां विभिन्न प्रकार के फूल खिलते हैं। यही हमारे देश की खासियत है कि हमारे धर्म,वेशभूषा,खानपान अलग है पर हम सभी मानव प्रेम के सूत्र में बंधे हैं। इसी बात की शिक्षा हमे गुरु गोबिंद सिंह से मिलती है। वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर त्रिपाठी ने गुरु गोबिंद सिंह को सर्व समाज का गुरु बताया, उन्होंने कहा कि वह किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं लड़े अपितु अन्याय के खिलाफ लड़े। वरिष्ठ साहित्यकार तपन बनर्जी ने पीर भीखम शाह और पीर बुधु शाह के संस्मरण बताएं। कैसे पीर बुधु शाह ने अपने परिवार और अपनी जान गुरु के लिए न्योछावर कर दी। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद हिंदू और मुसलमानों, दोनों के ही प्रिय थे। चरनप्रीत सिंह ने स्लाइडों के माध्यम से गोबिंद राय के गुरु गोबिंद बनने के सफर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे गुरु नानक देव के मानवता संबंधित विचार गुरु गोबिंद जी की विरासत का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था। गुरु गोविंद के विचार 'मानस की जात सब एकै पहचानबो' आज भी बहुत प्रासंगिक हैं। कलीम ने गुरु गोबिंद के प्रेम और भाईचारे के संदेश को देश के कोने कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। बालक एकमजोत सिंह ने गुरुवाणी के शबद को हारमोनियम प्रस्तुत किया। इस दौरान स.जितेंद्र सिंह सोढ़ी ने गुरु गोबिंद जी की अन्याय के खिलाफ लड़े गए युद्धों का विश्लेषण किया। कैसे गुरु जी ने अपना सर्वस्व उन लोगों के लिए न्योछावर कर दिया जो शोषित थे,जो पीड़ित थे,अपने बच्चों का बलिदान कोई विरला ही कर सकता है। प्रीतपाल सिंह ने गुरु के अध्ययन के बारे मैं बताया,वे कई भाषाओं के विद्वान थे, 52 कवि उनके दरबार में थे। 1500 के लगभग पृष्ठों का ग्रंथ श्री 'दशम ग्रंथ ' में उनकी लेखनी आज भारतीय इतिहास की विरासत है। इम्तियाज जी ने सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद दिया तथा प्रकाश पर्व की बधाई दी। इस मौके पर वेद प्रकाश,उर्स लाइन की सिस्टर्स,फादर, बच्चे, सीपी शुक्ला,अनंत सिन्हा,सोनू भामरा, गुरसेवक,स.महेंद्र सिंह टुटेजा,गुरुद्वारा के पूर्व अध्यक्ष स. रघुवीर सिंह छाबड़ा,फौजी,सुरेंद्र सिंह भामरा,थियोडोर लकरा,चरणजीत कौर, नईम परवेज व अन्य नागरिकगण मौजूद थे।

सरगुजा की कब्बड्डी टीम पहली बार 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य सिनियर चैम्पियनशीप में होगी शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य की 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य सिनियर (महिला/पुरुष) कब्बड्डी चैम्पियनशीप 2025 का आयोजन 9 से 11 जनवरी तक छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के तत्वाधान में ऐमेच्योर कबड्डी ऐसोसिएशन कोरबा के लाल मैदान दर्री में किया जा रहा है। जिसके लिए पहली बार सरगुजा जिले की टीम गुरुवार को कोरबा के लिए रवाना हुई है। जिला कबड्डी संघ सरगुजा की स्थापना के 2 महीने बाद सरगुजा के खिलाड़ी अब राज्य स्तर पर अपने खेल कौशल का परिचय देने के लिए तैयार हो चुके है, और सरगुजा के खिलाड़ी राज्य स्तरीय ओपन कबड्डी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गए हैं। जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के निर्देशन पर संघ के सचिव अमितेश पाण्डेय और सह सचिव निशांत गोल्डी सिंह , टेक्निकल हेड राजेश प्रताप सिंह,रजत सिंह ने टीम को राज्य स्तरीय कब्बड्डी चैंपियनशिप के लिए रवाना किया। बालक-बलिका दोनों ही वर्ग में आयोजित इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली बालिका टीम में उक्त खिलाड़ी कोरबा के लिए रवाना हुए हैं।

बालिका वर्ग में : रैमूनि पैकरा,अनिका पैकरा, गीता पैकरा, अलीशा एक्का,सुशीला पैकरा, दीपिका राजवाड,पाशिका पैकरा,देवन्ती पैकरा, हिमेश्वरी और निक्की पैकरा शामिल हैं।

बालक वर्ग में : सोपाल पैकरा,जगताल, कुनाल पैकरा, नन्दकुमार, लक्ष्मी पैकरा,सिकन्दर राम, सुखदेव पैकरा,विमल सिंह, अरविंद,और शेर सिंह शामिल हैं। टीम में कोच अनुज वेक भी खिलाड़ियों के साथ रवाना हुए हैं।

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए शहर की छात्रा शिल्पी का चयन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर की होनहार छात्रा शिल्पी विश्वकर्मा ने दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए चयनित होकर जिले का मान बढ़ाया है। वे सरगुजा जिले से चयनित होने वाली एकमात्र छात्र है। राष्ट्रीय युवा उत्सव में देश के 28 प्रदेशों के चुने हुए प्रतिभागी भाग लेंगे। इन प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय युवा उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के दिल्ली रवाना होने के पूर्व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय द्वारा मुख्यमंत्री निवास में सेंड ऑफ़ सेरेमनी का आयोजन कर उन्हें दिल्ली रवाना

किया गया। गौरतलब है कि भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार सन 2047 के पूर्व भारत को विकसित बनाने की मुहिम के अंतर्गत विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में प्रतिभागियों का लीडरशिप असेसमेंट किया गया। जिसमें पांच विषयों में तीन-तीन एवं पांच विषयों में 6 अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय युथ उत्सव में भाग लेने हेतु चयनित किया गया है। छात्रा शिल्पी विश्वकर्मा पुत्री अमित विश्वकर्मा निवासी गांधीनगर ने बताया कि चयन के प्रारंभिक चरण में उन्होंने दक्षिण भारत में मंदिरों की स्थापत्य शैली विषय पर अपना निबंध ऑनलाइन भेजा था। इसके बाद उन्हें रायपुर बुलाया गया था रायपुर में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद उन्हें 12 जनवरी को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला है।

फाइनेंस कंपनी के दबाव से परेशान युवक ने दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम धनगांव में फाइनेंस कंपनी के दबाव से परेशान युवक ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। वह अपने पिता के नाम से ट्रैक्टर फाइनेंस कराया था। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के ग्राम धनगांव का तनमय सना पिता मंगल सना 29 वर्ष, 6 जनवरी को फाइनेंसर से मोबाइल फोन में बात करने के बाद कीटनाशक का सेवन कर लिया था,इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता मंगल सना ने पुलिस को बताया है कि दो साल पहले उनके नाम पर ट्रेक्टर फाइनेंस हुआ था, जिसका पहला किस्त एक लाख 50 हजार रुपये उन्होंने पटा दिया था। इसके बाद उनका लडक़ा तनमय ही ट्रेक्टर चलवा रहा था। 6 जनवरी को शाम करीब 6-7 बजे फाइनेंस कंपनी से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि दूसरा किस्त 80 हजार रुपये है। इसकी जानकारी वह अपने पुत्र तनमय को देते हुए कहा कि ट्रेक्टर से तुम काम करा रहे हो, इसका किस्त पटा दो। इसके बाद तनमय मोबाइल फोन से फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से कुछ बात किया और 7.30 बजे के लगभग कीटनाशक सेवन कर लिया। परिजन उसे बलरामपुर जिला अस्पताल लेकर गए, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने 6 जनवरी को ही देर रात उसे रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 8 जनवरी को सुबह 11 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

मैनपाट महोत्सव 2026 के आयोजन हेतु पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

स्थानीय कलाकारों को अधिक से अधिक अवसर मिले,हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमामयी ढंग से आयोजन सम्पन्न हो : मंत्री अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में मैनपाट महोत्सव 2026 के आयोजन हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अजीत वसंत,पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल,जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का आयोजन फरवरी माह में सम्भावित तिथि 13, 14 एवं 15 फरवरी को रोपाखार जलाशय के समीप किया जाना है। बैठक में मैनपाट महोत्सव के भव्य और गरिमामय आयोजन के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, तिथि, समय, अतिथियों, कलाकारों, प्रतियोगिताएं,सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभागीय स्टॉल,एडवेंचर एक्टिविटी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आयोजन में स्थानीय कलाकारों, स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक अवसर मिले। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों को कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल आबंटन हेतु स्थान प्रदान करने निर्देशित किया, जिसमें निजी संस्थान भाग ले सकते हैं,उनसे आवेदन आमंत्रित करें। वहीं उन्होंने कहा कि मनोरंजन एवं खेल गतिविधियों, एस्टॉल आदि के लिए स्थान प्रदान किया जाएगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा की लोक निर्माण विभाग, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग विभागीय कार्यों का निर्वहन करें। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमामयी ढंग से आयोजन सम्पन्न हो। शासन-प्रशासन आपसी समन्वय से कार्य करें।

ऋण समय पर चुकाने वाले दिव्यांग हितग्राहियों का हुआ सम्मान

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम ने अध्यक्ष दी स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्री लोकेश कावड़िया के सरगुजा जिला दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दिव्यांग हितग्राहियों के सम्मान एवं संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की स्वरोजगार ऋण योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर उसे निर्धारित समयावधि में पूर्ण रूप से चुकाने वाले सरगुजा जिले के तीन दिव्यांग हितग्राहियों को अध्यक्ष श्री कावड़िया द्वारा श्रीफल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित हितग्राहियों में मैनपाट की श्रीमती सनमतिया, पिता भागवत,

लुण्ड्रा के श्री कुंवर साय, पिता श्री राम तथा लखनपुर के श्री मोहन दास, पिता श्री संवरा दास शामिल हैं। अध्यक्ष श्री कावड़िया ने अपने संबोधन में दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की स्वरोजगार योजना को पुनः प्रारंभ किए जाने की जानकारी दी तथा दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्वरोजगार से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगजनों में आत्मविश्वास एवं स्वरोजगार के प्रति सकारात्मक संदेश दिया गया।

इस अवसर पर श्री हरेन्द्र पटेल, संचालक सदस्य, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, अपर कलेक्टर श्री अमृतलाल ध्रुव, जनसम्पर्क अधिकारी तथा समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती प्रभावति दास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक से टकराए बाइक सवार युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित लालमाटी के पास बुधवार को बाइक सवार युवक खड़े ट्रक के पीछे टकरा गया था। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार संतोष नगेसिया पिता घुरन नगेसिया उम्र 37 वर्ष ग्राम दोरना थाना लुण्ड्रा का रहने वाला था। वह बुधवार को अंबिकापुर के गंगापुर स्थित दशक्रम कार्यक्रम में आया था। यहां से वापस अपने घर लौट रहा था। अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित लुचकी घाट के पास पूर्व से खड़े ट्रक के पीछे टकरा गया। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। पुलिस ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कीटनाशक का सेवन करने से इनकी भी गई जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

धौरपुर थाना अंतर्गत ग्राम डकई निवासी सुधनी पति बृजमोहन 46 वर्ष, तीन जनवरी को अज्ञात कारणों से जहर सेवन कर ली। परिजन उसे अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे,यहां बुधवार को दोपहर करीब 12.30 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

CMYK

मंत्री जी के विधानसभा में ही विकास बेबस...

गोबरी नदी का पुल 6 महीने बाद भी अधर में

15 लाख का रपटा भी मंजूर नहीं,स्थायी पुल कितने साल में बनेगा?

- विकास के दावों के बीच गोबरी नदी बना अभिशाप,जनता परेशान
- निरीक्षण पर निरीक्षण,लेकिन पुल नहीं–मंत्री जी जवाब देंगे?
- 150 करोड़ की घोषणाएं,गोबरी नदी के लिए बजट शून्य?
- मंत्री के गृह क्षेत्र में टूटा पुल, टूटा भरोसा,बरसात फिर न डुबो दे रास्ता–गोबरी नदी पुल पर सन्नाटा
- फोटो खिंचवाने तक सीमित रहे निरीक्षण? पुल कब बनेगा
- सरकार की प्राथमिकता सूची से गायब गोबरी नदी का पुल?
- गोबरी नदी पुल मामलाः समाधान की प्रतीक्षा में ग्रामीण

-औंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। विकास के बड़े-बड़े दावों और करोड़ों की स्वीकृतियों के बीच मंत्री जी के अपने ही विधानसभा क्षेत्र में एक पुल जनता के लिए अभिशाप बन गया है,30 जून 2025 को गोबरी नदी पर बना पुल धराशायी हो गया था, आज छह महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन न तो स्थायी पुल की दिशा साफ है और न ही वैकल्पिक रपटा पुल की स्वीकृति पूरी हो पाई है, यह मामला केवल एक पुल का नहीं, बल्कि प्राथमिकता, संवेदनशीलता और जवाबदेही का है, अगर मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में ही जनता को इस तरह इंतजार करना पड़ रहा है, तो बाकी क्षेत्रों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं, अब जनता सवाल पूछ रही है, क्या गोबरी नदी का पुल सिर्फ निरीक्षण और भाषणों तक ही सीमित रहेगा, या सच में बनेगा भी?

वैकल्पिक रपटा पुल भी अधर में...

पुल टूटने के बाद प्रशासन ने तात्कालिक समाधान के तौर पर 15 लाख रुपये के वैकल्पिक रपटा पुल का प्रस्ताव तैयार किया,लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतनी छोटी राशि की स्वीकृति भी अब तक नहीं हो सकी,सवाल सीधा है,जब 15 लाख का रपटा पुल मंजूर नहीं हो पा रहा,तो स्थायी पुल की स्वीकृति कितने साल में मिलेगी?

मंत्री, निरीक्षण और सिर्फ आश्वासन...

पुल टूटने के बाद कलेक्टर और संबंधित विभाग ने मौके का निरीक्षण किया,क्षेत्र की विधायक एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और उनके पति ठाकुर राजवाड़े ने भी कई बार स्थल निरीक्षण किया,लेकिन सवाल यह है कि निरीक्षण के बाद परिणाम क्या निकला? स्वीकृति कहां अटकी है? जनता पूछ रही है कि क्या निरीक्षण सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गए?

विकास की गाथा, लेकिन गृह क्षेत्र में बदहाली-

जहां एक ओर क्षेत्र में विकास की कहानियां सुनाई जा रही हैं, वहीं मंत्री के गृह क्षेत्र में लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लंबा चक्कर काटने को मजबूर हैं,स्कूल,अस्पताल,बाजार—सब कुछ दूर हो गया है,आने वाली बरसात को लेकर ग्रामीणों में डर है कि क्या फिर से नदी पार करने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ेगी?

150 करोड़ की स्वीकृतियां,लेकिन गोबरी नदी के लिए पैसा नहीं?

विगत दिनों क्षेत्र को 150 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृतियां मिलने की खबरें आईं, तो फिर सवाल यह भी उठता है,क्या सरकार के पास गोबरी नदी पर पुल बनाने के लिए पैसा नहीं है? या फिर यह पुल प्राथमिकता सूची में ही नहीं है?

जनता ने खुद संभाला मोर्चा

सरकारी देरी से परेशान होकर ग्रामीणों ने जनसहयोग से रपटा पुल बनाने की कोशिश शुरू की, लेकिन बिना तकनीकी सहयोग और स्थायी समाधान के यह व्यवस्था भी जर्जर हालत में पहुंच चुकी है,न इसकी मरम्मत हो रही है,न ही कोई सुध लेने वाला नजर आ रहा है।

सवाल जो मंत्री जी को जवाब देने होंगे...

- पुल टूटे 6 महीने बीत गए-अब तक क्या प्रगति हुई?
- वैकल्पिक रपटा पुल की स्वीकृति किस फाइल में अटकी है?
- स्थायी पुल का टाइमलाइन क्या है?
- क्या मंत्री जी खुद बता पाएंगी कि यह पुल कब बनेगा?

शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही...निर्माणाधीन मकान का छज्जा भरभराकर गिरा,दबने से 6वीं के छात्र की मौत

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले के शारदापुर गांव स्थित माध्यमिक शाला खुटहन पारा में शिक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां स्कूल के ठीक बगल में निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिरने से कक्षा छठवीं में पढ़ने वाले छात्र आलोक कुमार (पिता रमेश देवांगन) की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, घटना मध्याह्न भोजन अवकाश के दौरान हुई। अवकाश के समय छात्र खेलते हुए स्कूल परिसर के पीछे निर्माणाधीन भवन के पास पहुंच गया,तभी अचानक मकान का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा और आलोक उसके नीचे दब गया। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय में हड़कंप मच गया। विद्यालय की शिक्षिका पूजा गुप्ता ने बताया कि मध्यान्ह भोजन का अवकाश किया गया था,इसी दौरान कुछ बच्चे पीछे की ओर गए थे। बच्चों द्वारा सूचना देने पर सभी शिक्षक मौके पर पहुंचे,जहां आलोक खून से लथपथ मलबे में दबा मिला। शिक्षकों और ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विद्यालय में चार शिक्षक पदस्थ होने के बावजूद छात्र की सुरक्षा को लेकर लापरवाही सामने आई है। घटना ने स्कूल के आसपास चल रहे निर्माण कार्यों की निगरानी और सुरक्षा इंतजामों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अवैध धान खपाने लाया जा रहा था धान

संयुक्त टीम द्वारा की गई कार्यवाही,वाहन चालक एवं वाहन मालिकों पर एफआईआर हुआ दर्ज

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री नीरनिधि नंदेहा ने जानकारी दी है कि ट्रक क्रमांक-सीजी 15 ईसी 9169 से अवैध धान का परिवहन किया जा रहा था। जिसे संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पेंडारी में पकड़ा गया। ट्रक में 750 बोरी अवैध धान लोड था जिसे जब्त किया गया। धान अवैध धान परिवहन करने के मामले में अज्ञात ट्रक वाहन चालक और वाहन स्वामियों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। एसडीएम वाड्रफनगर के निर्देशानुसार खाद्य, मंडी एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान 05 जनवरी 2026 को रात लगभग 10:30 बजे, ग्राम पंडरी (केनापारा चेक पोस्ट) पर ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के द्वारा रोका गया, परन्तु ट्रक चालक ने मौका पाकर वाहन को वाड्रफनगर की ओर ले जाया गया। कर्मचारियों के द्वारा ट्रक का पीछा करने पर एक अन्य अज्ञात व्यक्ति जो क्रेटा कार सीजी 15 डीआर 2414 में सवार था उसने कर्मचारियों को धमकाया गया। तत्पश्चात संयुक्त टीम के द्वारा ट्रक की खोज करने पर ग्राम पेंडारी में खड़ा पाया गया।

धान उठाव में अनियमितता पर प्रशासन की कार्रवाई..

संयुक्त टीम के जांच में धान के उठाव में 2600 क्विंटल की पाई गई कमी,जांच उपरांत जगदंबा राइस मिल लखनपुर को किया गया सील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले में धान उपार्जन एवं मिलिंग व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में लखनपुर स्थित जगदंबा राइस मिल में की गई जांच के दौरान धान के भौतिक उठाव में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर लखनपुर तहसीलदार अंकिता पटेल,नायब तहसीलदार,खाद्य निरीक्षक के संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि राइस मिल द्वारा अभिलेखों में कुल 13,480 क्विंटल धान उठाव दर्शाया गया था, जबकि मौके पर किए गए भौतिक सत्यापन में केवल 10,880 क्विंटल धान ही उपलब्ध पाया गया। इस प्रकार कुल 2,600 क्विंटल धान की कमी पाई गई, जो निर्धारित नियमों एवं शर्तों के विपरीत है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए नियमानुसार जगदंबा राइस मिल लखनपुर को सील कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है तथा जांच पूर्ण होने के पश्चात संबंधित राइस मिल प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन की धान उपार्जन एवं मिलिंग व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा गड़बड़ी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण एवं जांच अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि कृषकों के हितों की पूर्णतः रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नशीले इंजेक्शन तस्करी मामले में बड़ा फैसला...

सूरजपुर एनडीपीएस कोर्ट ने आरोपी को 10 साल की सजा,एक लाख का जुर्माना

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

नशीले इंजेक्शनों की तस्करी के खिलाफ सूरजपुर पुलिस की सख्त कार्रवाई को न्यायालय से भी बड़ी पुष्टि मिली है। बसदेई चौकी पुलिस द्वारा पकड़े गए नशीले इंजेक्शन तस्करी के मामले में विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने आरोपी को कठोर सजा सुनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। 27 जनवरी 2025 को चौकी बसदेई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम डबरीपारा तालाब के पास मेन रोड पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अमजद अली अंसारी, पिता शेख हामीद अंसारी 30 वर्ष, निवासी ग्राम जूर को उसकी कार क्रमांक CG 16 CG 9664 से गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 34 नग एविल इंजेक्शन एवं 15 नग आईपीपीएल इंजेक्शन बरामद किए गए थे। पुलिस ने नशीली इंजेक्शनों को जब्त कर अपराध क्रमांक 61/25 धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा था। मामले के विवेचक एसआई सकलू राम भगत द्वारा विवेचना के दौरान पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) न्यायालय सूरजपुर में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूर्ण होने के बाद प्रकरण के समग्र तथ्यों, गवाहों के कथन एवं एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर अपराध सिद्ध पाते हुए आरोपी अमजद अली अंसारी को एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 21(सी) के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। इस फैसले से जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में पुलिस व न्याय व्यवस्था की सख्ती एक बार फिर सामने आई है।

पुलिस ने नाबालिक से करने वाले आरोपी को पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कोरांधा पुलिस ने नाबालिक लड़की को घर छोड़ने के बहाने जबरन दुष्कर्म किया था। शिकायत पर कोरोधा पुलिस ने अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 65 (1) बीएनएस 4 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार दिनांक 06.01.2026 को प्रार्थिया के द्वारा थाना कोरांधा में उपस्थित होकर इस आशय का एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसकी नबालिक लडकी को आरोपी अजय सोनी पिता मनी सोनी, उम्र 19 वर्ष, ग्राम भगवानपुर, थाना कोरंधा के द्वारा पीड़िता को ग्राम भगवानपुर से उसके घर छोड़ने के लिये जाते समय ग्राम घुंघरू पाठ में पहुंचकर सड़क के किनारे मुरूम गड्ढा में ले जाकर जबरदस्ती गलत काम (बलात्कार)किया। पुलिस ने आवेदिका के लिखित आवेदन पत्र के आधार पर थाना कोरंधा में अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 65 (1) बीएनएस 4 पॉक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान दिनांक 07.01.2026 आरोपी अजय सोनी पिता मनी सोनी उम्र 19 वर्ष सा. भगवानपुर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपराध करना स्वीकार करने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

वर्दी में 'मायावी' खेल,तलवे चाटकर बना रसूख, कोतवाली से सज रहा अवैध कारोबार का जाल

चिरमिरी में सख्त पुलिसिंग,अवैध कारोबारियों को 'ना'...

यदि चिरमिरी थाना क्षेत्र की बात करें,तो यहां की पुलिसिंग इन दिनों चर्चा में है,चिरमिरी थाना प्रभारी ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया है,सूत्रों के अनुसार,छोटे से छोटे अवैध कारोबारी तक पर कार्रवाई हो रही है,कई लोग अवैध गतिविधियों से तौबा कर चुके हैं,जबकि नियमों की अनदेखी करने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है,चिरमिरी पुलिस इस समय अवैध कारोबार के रास्ते में एक मजबूत दीवार बनकर खड़ी दिखाई दे रही है।

112 के नाम पर वापसी,कोतवाली में 'फील्डिंग'...

बताया जाता है कि उक्त प्रधान आरक्षक 112 सेवा में कार्य करने के नाम पर एमसीबी लौटा था,लेकिन कोतवाली में बैठकर अब फिर से अवैध कारोबार की फील्डिंग करने लगा है, सूत्रों का यह भी आरोप है कि उसने अवैध कारोबारियों को आपस में प्रतिद्वंद्वी बनाकर एक नया,संगठित नेटवर्क खड़ा करना शुरू कर दिया है, ताकि नियंत्रण भी बना रहे और संरक्षण भी चलता रहे,धीरे-धीरे यह नेटवर्क पैर पसार रहा है,और इसका असर जिला मुख्यालय की कानून-व्यवस्था पर दिखने लगा है।

जिले की कप्तान की मेहनत पर भारी पड़ते 'पुराने चेहरे'?

एमसीबी जिले की पुलिस अधीक्षक एक महिला अधिकारी हैं और जिले की कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उनके प्रयासों की चर्चा भी होती रही है,लेकिन सूत्रों का कहना है कि वर्षों से जमे कुछ पुलिसकर्मी, खासकर यह मायावी प्रधान आरक्षक,उनकी मंशा को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं,यदि संबंधित प्रधान आरक्षक की पूर्व कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी समय रहते संज्ञान में ली जाती, तो संभवतः उसे थाने से दूर रखकर 112 सेवा तक सीमित किया जाता।

जुआ और अवैध शराब,जिला मुख्यालय में गहराती समस्या...

जिले में खासकर मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में जुआ और अवैध शराब का कारोबार फिर से सिर उठाता नजर आ रहा है, यह न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है,बल्कि आम नागरिकों में पुलिस की निष्पक्षता को लेकर अविश्वास भी पैदा कर रहा है।

एक जिला,दो कानून?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब चिरमिरी में सख्त कार्रवाई संभव है, तो मनेंद्रगढ़ में क्यों नहीं? क्या एमसीबी जिले में एक ही कानून के दो मापदंड लागू हो रहे हैं? क्या अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई थाना प्रभारी की इच्छा पर निर्भर हो गई है, या फिर संरक्षण देने वालों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

शीर्ष स्तर पर संज्ञान की मांग...

सूत्रों के अनुसार,यह तैनाती पूर्व पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर हुई थी और वर्तमान आईजी के निर्देशों से अमल में लाई गई, ऐसे में अब यह आवश्यक हो गया है कि एमसीबी पुलिस के साथ-साथ सरगुजा रेंज पुलिस का शीर्ष नेतृत्व इस पूरे मामले का तत्काल संज्ञान ले, यदि समय रहते कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई,तो एमसीबी जिले में एक बार फिर वही पुरानी कहानी दोहराई जा सकती है, जहां अपराधियों का हौसला बढ़ता है और जनता का भरोसा टूटता है, अब निगाहें एमसीबी के पुलिस अधीक्षक और सरगुजा रेंज के आईजी पर टिकी हैं, क्या वे आरोपों की तह तक जाएंगे, या यह मामला भी फाइलों में दब कर रह जाएगा?

समाचार पत्र का आग्रह कठोर है...

दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र का आग्रह कठोर है, पर न्यायसंगत है...तुरंत स्वतंत्र जांच...संदिग्ध तैनातियों की रीव्यू और रोटेशन...अवैध कारोबार पर जिला-व्यापी एक्शन...और यदि आरोप सही हों तो वर्दी उतारने तक की कार्रवाई...आधे-अधूरे कदम अब काम नहीं आएंगे...कानून का डर अपराधी को होना चाहिए...जनता को नहीं...यदि चिरमिरी मॉडल संभव है,तो मनेंद्रगढ़ अपवाद क्यों? एक जिला,एक कानून एक पुलिसिंग...यही कसौटी है...इसके बिना भरोसा लौटेगा नहीं...और बिना भरोसे कानून सिर्फ कागज़ रह जाता है...

एमसीबी जिले में दोहरी पुलिसिंग...कहीं अवैध कारोबार पर सख्ती...तो कहीं संरक्षण के आरोप...

एमसीबी में 'मायावी' प्रधान आरक्षक का सायाः वर्दी की आड़ में अवैध कारोबार का संगठित खेल?

112 के नाम पर वापसी, कोतवाली में अवैध धंधों की फील्डिंग,जब प्रधान आरक्षक बन जाए 'पावर सेंटर',कानून खुद हो जाए बेबस

आईपीएस तक को साधने वाला मायावी प्रधान आरक्षक, एमसीबी में फिर सक्रिय,जशपुर से एमसीबी तकः सवालों के घेरे में एक रहस्यमयी वापसी

कोतवाली से अपराध का संचालन? एमसीबी पुलिसिंग पर गंभीर आरोप,जिस मकसद से भेजे गए थे,क्या उसी पर काम कर रहे हैं?

कानून व्यवस्था से खिलवाड़ या सुनियोजित प्रोपेगेंडा? अब आईजी-एसपी की बारीः कब टूटेगा 'मायावी' तंत्र?

-रवि सिंह-

एमसीबी,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कानून की सबसे बड़ी ताकत समानता और निष्पक्षता होती है,लेकिन जब एक ही जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अलग-अलग पुलिसिंग दिखाई दे, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं,बल्कि कानून के साथ खुला मज़ाक है, एमसीबी जिला में यही हो रहा है–कहीं अवैध कारोबार पर सख्त प्रहार,तो कहीं उसी अवैधता को वर्दी की छाया में संरक्षण,चिरमिरी में थाना प्रभारी ने साफ़ संदेश दिया अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं। नतीजा सबके सामने है- या तो कारोबार बंद,या सलाखों के पीछे, यह दिखाता है कि इच्छाशक्ति हो तो कानून काम करता है, लेकिन मनेंद्रगढ़ की तस्वीर इसके ठीक उलट क्यों है? यहां जुआ और अवैध शराब का जाल फल-फूल रहा है और आरोप है कि यह सब एक प्रधान आरक्षक के संरक्षण में चल रहा है,यह आरोप मामूली नहीं,पुलिसिंग की आत्मा पर धब्बा है,जिले की कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवाल अब केवल सामान्य आरोप नहीं रह गए हैं, बल्कि एक 'मायावी' प्रधान आरक्षक की भूमिका को लेकर गंभीर और सुनियोजित आरोप सामने आ रहे हैं,सूत्रों के मुताबिक,यह कोई साधारण पुलिसकर्मी नहीं,बल्कि ऐसा चेहरा है जिसकी चालाकी और प्रभाव में बड़े-बड़े अधिकारी यहां तक कि आईपीएस स्तर के अफसर और निरीक्षक भी आ जाते हैं,जब-जब ऐसा हुआ है,तब-तब कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है यह कटु सत्य अब किसी से छिपा नहीं।

बता दे की जिले में इन दिनों पुलिसिंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं,एक ही जिले में,एक ही कानून के तहत काम कर रही पुलिस के बीच अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बिल्कुल अलग तस्वीर सामने आ रही है,कहीं अवैध कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई हो रही है,तो कहीं उन्हीं अवैध गतिविधियों के फलने-फूलने के आरोप लग रहे हैं,एमसीबी जिले में सामने आ रही यह दोहरी पुलिसिंग गंभीर जांच और त्वरित सुधार की मांग करती है,यदि समय रहते अवैध कारोबारियों और उन्हें संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त कदम नहीं उठाए गए,तो जिले में कानून-व्यवस्था पर जनता का भरोसा और कमजोर हो सकता है,अब निगाहें जिला पुलिस प्रशासन पर टिकी हैं, क्या वह चिरमिरी मॉडल को पूरे जिले में लागू करेगा,या मनेंद्रगढ़ की यह स्थिति यूं ही बनी रहेगी।

क्या अब होगी निष्पक्ष जांच? जिले में यह सवाल आम है कि

क्या यह प्रधान आरक्षक 112 की भूमिका में है या कोतवाली से अवैध कारोबार का संचालन कर रहा है?

क्या उसकी तैनाती नियमों के अनुरूप है?

और सबसे अहम–क्या आरोपों की स्वतंत्र जांच होगी?

मनेंद्रगढ़ में आरोप–एक प्रधान आरक्षक के संरक्षण में फल-फूल रहा अवैध कारोबार

इसके ठीक उलट तस्वीर मनेंद्रगढ़ से सामने आ रही है, जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में सूत्रों का दावा है कि जुआ और अवैध शराब जैसे कारोबार खुलेआम फल-फूल रहे हैं, आरोप है कि एक मायावी प्रधान आरक्षक के संरक्षण में यह अवैध नेटवर्क संचालित हो रहा है, बताया जा रहा है कि यही प्रधान आरक्षक पहले कोरिया जिला से अपनी कथित दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के कारण हटाया गया था और बाद में जशपुर जिला भेजा गया।

'तलवे चाटने' की कला और वर्दी की गिरती गरिमा

सूत्रों का दावा है कि संबंधित प्रधान आरक्षक अधिकारियों को खुश करने की कला में इस हद तक माहिर है कि वर्दी की गरिमा तक दांव पर लग जाती है,आरोप है कि किस तरह वह अपने वरिष्ठों को साधकर अवैध कारोबार की नींव रखता है,यह बात विभाग के भीतर वर्षों से चर्चित रही है,कहा जा रहा है कि जशपुर से एमसीबी में उसकी वापसी भी उसी 'कला' का नतीजा है, किस अधिकारी की कृपा और किस 'गिड़गिड़ाहट' के बाद यह हुआ,यह चर्चा महज गलियारों तक सीमित नहीं रही।

पुराने रिकॉर्ड और नई तैनाती...सवालों के घेरे में...

यह भी आरोप है कि संबंधित प्रधान आरक्षक की पूर्व कार्यप्रणाली विवादों से भरी रही है, यदि यह सब जानकारी समय रहते संज्ञान में ली जाती,तो उसे थाना-कार्य से दूर रखकर केवल 112 जैसी सीमित भूमिका में ही तैनात किया जाता,लेकिन सवाल यह है कि जिस मकसद से उसे एमसीबी भेजा गया,क्या वह उसी मकसद पर काम कर रहा है या फिर अपना निजी 'प्रोपेगेंडा' गढ़कर पुराने तरीके दोहरा रहा है?

बेतरतीब खड़े 22 ट्रैलरों पर यातायात पुलिस की सख्त कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा,08 जनवरी 2026(घटती-घटना)।

कोरबा शहर की सड़कों पर बेतरतीब खड़े ट्रैलरों से लग रहे जाम को देखते

हुए यातायात पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े 22 ट्रैलरों पर अर्थदंड की कार्यवाही की गई। कुदुरमाल पुल बंद होने के बाद वैकल्पिक मार्गों पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया था। पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर सख्ती बरतते हुए चेतावनी दी है कि 48 घंटे में वाहन नहीं हटाने पर उन्हें जब्त किया जाएगा।

सूचना

मैं दयाशंकर यादव, आ0 गणेश यादव,आयु 56 वर्ष, निवासी फुन्दुरडिहारी महुआपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 ।

मैं दयाशंकर यादव 14403054W रैंक हवलदार हूँ, मेरे सेवा पुस्तिका एवं पी0पी0ओ0 और रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम इन्द्रावती देवी (INRAWTI DEVI) एवं जन्म तिथि 03/03/1972 अंकित हो गया है।

मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी पत्नी के आधार कार्ड व पैन कार्ड में नाम इन्द्रावती देवी (INDRAWATI DEVI) एवं जन्म तिथि 01/01/1973 अंकित है, जो सत्य एवं सही है ।

शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं अपनी पत्नी का सही नाम एवं जन्मतिथि के दर्ज करवाने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। यदि भविष्य में मेरी पत्नी के जन्मतिथि एवं नाम के संबंध में किसी प्रकार की कोई वाद विवाद होता है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी ।

शपथकर्ता
दयाशंकर यादव
फुन्दुरडिहारी महुआपारा,अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन

मैं अनीता मिंज पति वकील लकड़ा उम्र 51 वर्ष जाति उरांव निवासी ग्राम रामानुजनगर थाना व तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम शौर्य लकड़ा (SHOURY LAKRA)आ, वकील लकड़ा है जो कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में पुत्र का नाम सैयं लकडा (SAIRY LAKADA) दर्ज है जो कि गलत है।

अतः आज से मेरे पुत्र का वास्तविक नाम शौर्य लकडा (SHOURY LAKRA) आ. वकील लकड़ा के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए ।

इस संबंध में मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
अनीता मिंज
निवासी ग्राम -रामानुजनगर
थाना व तहसील -रामानुजनगर
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

नाम परिवर्तन

मैं दिलबन्धु राजवाड़े आ उमाशंकर राजवाड़े उम्र 21 वर्ष जाति रजवार निवासी ग्राम खर्रा पोस्ट ओड़गी थाना व तहसील ओडगी जिला सूरजपुर (छ0ग0) शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरा सही व वास्तविक नाम दिलबन्धु राजवाडे (DILBANDHU RAJWADE) आ. उमाशंकर राजवाड़े है जो कि मेरे कक्षा 10वीं की अंकसूची में दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम दीनबंडू (DEENABANDU RAJVADE) दर्ज है जो कि गलत है।

अतः आज से मुझे मेरे वास्तविक नाम दिलबन्धु राजवाड़े (DILBANDHU RAJWADE) आ. उमाशंकर राजवाडे के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए ।इस संबंध में मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
दिलबन्धु राजवाड़े
निवासी ग्राम - खर्रा
पोस्ट ओड़गी थाना व तहसील
ओडगी जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय सूरजपुर अधिकारी ,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क0/...../

ईश्तहार

आगामी तिथि 15/1/2026 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक कन्हैयालाल गुप्ता आ0 स्व. मदनलाल गुप्ता, उम्र लगभग 75 वर्ष, निवासी मेन रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर द्वारा फौती नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि. आवेदक के माता के स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2129/4, 2915/4 रकबा क्रमशः 0.010, 0.010 हे0 है। आवेदक की माता स्व. सुशीला देवी की मृत्यु दिनांक 17/08/2008 को होने से उनका नाम विलोपित कर आवेदन पत्र में दर्शित वंशवृक्ष अनुसार फौती नामांतरण नजूल भूमि से संबंधित अभिलेखों में दर्ज किए जाने का अनुरोध किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था / विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा /आपत्ति दिनांक 15/1/ 2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी ,सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/...../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक बलराज पिता इन्द्रसेन अग्रवाल उम्र लगभग 62 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी ब्रम्हरोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-08 मोहल्ला ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3230 / 6 रकबा 0.06,1/2 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-05/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202601020700017

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [2534/13 (0.010हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -सुहेल अख्तर,
अनावेदक पक्षकार - नजरूननिशा,

ईश्तहार

आवेदक सुहेल अख्तर आमो) अजीज व अन्य निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2534/13 रकबा 0.010 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतखातेदार नजरूननिशा का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30.01.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202601020700030

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-26

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [158/18 (0.014हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - अंजना वर्मा,
अनावेदक पक्षकार -संतोष कुमार वर्मा,

ईश्तहार

आवेदक अंजन वर्मा पति संतोष वर्मा व अन्य निवासी माइंस कॉलोनी बिजुरी कॉलरी जिला शहडोल म0प्र0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 158/18 रकबा 0.014 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार संतोष कुमार वर्मा का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30.01.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/...../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण मुकेश अग्रवाल आ.स्व. साधूराम अग्रवाल, उम्र-43 वर्ष, विमला देवी पति स्व. साधूराम अग्रवाल, उम्र 65 वर्ष दोनों निवासी बरेजपारा अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है,कि आवेदकगण के पिता/पति साधूराम अग्रवाल के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला अग्रसेन वार्ड नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 2741/30 रकबा 0.02 ऐकड़ भूमि है। भूधारक साधूराम अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 22.03.2017 को हो गई है। अतः भूधारक साधूराम अग्रवाल की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा स्वयं को मृत्तक भूधारक के वैद्य वारिसान बताते हुए उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 23/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/01/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

CMYK

एक साल में बदली कोरिया भाजपा की तस्वीर

देवेन्द्र तिवारी बने कार्यकर्ताओं की उम्मीद

» संगठन,समन्वय और सफलता....भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी का एक साल

» भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी का कार्यकाल में उपेक्षित कार्यकर्ता बने संगठन की ताकत

» बूथ स्तर तक पहुंचा भाजपा संगठन, पहले ही वर्ष में देवेन्द्र तिवारी की बड़ी उपलब्धि

» पहले साल में ही चुनावी जीत और संगठनात्मक मजबूती,देवेन्द्र तिवारी का प्रभावशाली कार्यकाल

» कार्यालय से बूथ तक भाजपा,देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में संगठन को मिली नई ऊर्जा

» एक वर्ष,कई उपलब्धियां,देवेन्द्र तिवारी ने कोरिया भाजपा को दी नई दशा-दिशा

» भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी का रिपोर्ट कार्ड,संगठन मजबूत,कार्यकर्ता सक्रिय

» 2026 की अग्नि परीक्षा से पहले देवेन्द्र तिवारी ने संगठन को किया तैयार

जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी का 1 वर्ष

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,08 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

आइए बताता हूँ संगठन की कसौटी पर नेतृत्व की कहानी राजनीतिक दलों की असली मजबूती चुनावी नारों से नहीं,बल्कि जमीनी संगठन,कार्यकर्ताओं के मनोबल और समावेशी नेतृत्व से तय होती है, कोरिया जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी का एक वर्ष पूरा होना इसी कसौटी पर परखने का अवसर देता है, बीते वर्षों में यह शिकायत आम रही कि संगठन कुछ चेहरों और कार्यालयों तक सीमित रह गया था, आम कार्यकर्ता हाशिए पर था, उसे केवल चुनावी समय याद किया जाता था,पिछले एक वर्ष में जिस बदलाव की चर्चा है,उसका मूल यही है कि संगठन को व्यक्ति-केन्द्रित ढांचे से निकालकर कार्यकर्ता-केन्द्रित बनाया जाए,बूथ स्तर तक कार्यक्रमों की नियमितता, कार्यकारिणी में विविध वर्गों की भागीदारी और उपेक्षित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी ये संकेत बताते हैं कि दिशा बदलने की कोशिश ईमानदार रही है, चुनावी मोर्चे पर भी नेतृत्व की परीक्षा हुई, विरोध और संशयों के बीच लिए गए निर्णयों ने यह स्पष्ट किया कि रणनीति,संवाद और धैर्य के साथ चुनावी चुनौतियों को साधा जा सकता है,जीत का श्रेय केवल प्रत्याशी को नहीं,बल्कि उस संगठनात्मक मशीनरी को भी जाता है,जो बूथ से लेकर जिला स्तर तक सक्रिय रही,हालांकि,संपादकीय का दायित्व केवल सराहना तक सीमित नहीं,आगे की राह कठिन है, 2026 के निकाय चुनाव ऐसे समय आएंगे जब जन-असंतोष, स्थानीय मुद्दे और प्रशासनिक अपेक्षाएं एक साथ परीक्षा लेंगी,संगठनात्मक मजबूती को जनविश्वास में बदलना होगा,बिजली,पानी,रोजगार,किसानों और शहरी सेवाओं जैसे मुद्दों पर स्पष्ट और संवेदनशील रुख जरूरी होगा,प्रशासन से संतुलित तालमेल रखते हुए जनहित के परिणाम सामने लाने होंगे,केवल समन्वय की चर्चा पर्याप्त नहीं,नया कार्यालय,नए चेहरे और नई ऊर्जा ये सब साधन हैं, साध्य नहीं, साध्य है,कार्यकर्ता का सम्मान,जनता की सुनवाई और जवाबदेही,यदि यह संतुलन बना रहा,तो संगठन आगे भी मजबूत होगा, यदि नहीं, तो उपलब्धियां कागज़ी रह जाएंगी, पहला वर्ष दिशा दिखाता है,मंज़िल नहीं,नेतृत्व की असली पहचान अगले कदमों से होगी–क्या संगठन जनता की आवाज़ बन पाएगा, क्या कार्यकर्ता स्वयं को सहभागी महसूस करेगा, और क्या चुनावी सफलता जनहित की नीतियों में बदलेगी। आने वाला समय इन सवालों का उत्तर देगा।

बता दे की भारतीय जनता पार्टी के कोरिया जिला संगठन में देवेन्द्र तिवारी के जिलाध्यक्ष बने एक वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह एक वर्ष संगठनात्मक दृष्टि से न केवल सक्रियता से भरा रहा,बल्कि भाजपा के जमीनी ढांचे को फिर से खड़ा करने वाला भी साबित हुआ। वर्षों से उपेक्षित महसूस कर रहे कार्यकर्ताओं को मुख्यधारा से जोड़ने, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और चुनावी चुनौतियों में सफलता दिलाने के कारण यह कार्यकाल चर्चा में रहा, एक वर्ष के कार्यकाल में संगठनात्मक विस्तार,कार्यकर्ताओं का मनोबल,चुनावी सफलता और प्रशासनिक संतुलन इन सभी पहलुओं ने देवेन्द्र तिवारी को एक सक्रिय और परिणाम देने वाले जिलाध्यक्ष के रूप में स्थापित किया है, अब देखना यह होगा कि 2026 के चुनावी रण में यह संगठनात्मक ताकत भाजपा को कितनी बड़ी सफलता दिला पाती है।

प्रशासन के साथ संतुलित तालमेल

देवेन्द्र तिवारी के कार्यकाल में जिला प्रशासन के साथ टकराव नहीं, तालमेल की नीति देखने को मिली,जहां जनहित का विषय रहा, वहां संवाद के माध्यम से काम कराया गया,और जहां हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं थी,वहां संगठनात्मक मर्यादा बनाए रखी गई। इस संतुलन की प्रशंसा संगठन और आमजन दोनों करते हैं।

संगठन को कार्यालय से निकालकर बूथ तक पहुंचाया

बीते वर्षों में कोरिया जिले में भाजपा संगठन को लेकर यह आम धारणा बन चुकी थी कि गतिविधियां केवल भाजपा कार्यालय और कुछ बड़े चेहरों तक सीमित रहती हैं। देवेन्द्र तिवारी के जिलाध्यक्ष बनने के बाद इस तस्वीर में स्पष्ट बदलाव देखने को मिला, पार्टी के कार्यक्रम अब बूथ स्तर तक नियमित रूप से आयोजित होने लगे। कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ी और संगठनात्मक कार्यक्रम कागजों से निकलकर जमीन पर उतरते नजर आए। बूथ समितियों की सक्रियता और नीचे तक संवाद ने संगठन में नई ऊर्जा भरी।

हर वर्ग को प्रतिनिधित्व,कार्यकारिणी बनी संतुलन की मिसाल

जिला कार्यकारिणी के गठन में देवेन्द्र तिवारी ने हर वर्ग,हर समाज और हर क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया, ऐसे कई कार्यकर्ता, जो वर्षों से संगठनात्मक पदों से दूर थे,उन्हें जिम्मेदारी मिली, परिणामस्वरूप, पद मिलने के बाद वे कार्यकर्ता पार्टी कार्यक्रमों में नियमित रूप से सक्रिय दिखने लगे,इस कार्यकारिणी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें अनुभव और नएपन का संतुलन नजर आया नए चेहरे, लेकिन ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन का काम करते हुए।

चुनावी मैदान में पहली ही परीक्षा में सफलता...

जिलाध्यक्ष बनते ही देवेन्द्र तिवारी को पंचायत और निकाय चुनाव जैसी कठिन अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ा,पटना नगर पंचायत में विरोध के बावजूद गायत्री सिंह को प्रत्याशी बनाकर उन्होंने सबको चौंकाया, तमाम आशंकाओं के बीच भाजपा ने वहां ऐतिहासिक जीत दर्ज की और गायत्री सिंह प्रथम अध्यक्ष निर्वाचित हुईं साथ ही गौरव अग्रवाल को पटना नगर पंचायत का उपाध्यक्ष बनाया, इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में सीमित संख्या बल के बावजूद रणनीतिक कौशल दिखाते हुए मोहित पैकरा को अध्यक्ष बनवाने में सफलता मिली, उपाध्यक्ष पद पर भी पार्टी समर्थित प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराई गई, यह सभी उपलब्धियां देवेन्द्र तिवारी की चुनावी प्रबंधन क्षमता को दर्शाती हैं।

उपेक्षित कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान...

कोरिया भाजपा में लंबे समय से यह शिकायत थी कि आम कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय याद किए जाते हैं। देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में इस सोच को बदलने का प्रयास हुआ,उपेक्षित महसूस करने वाले कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गईं,बैठकों में उनकी भागीदारी बढ़ी और निर्णय प्रक्रिया में उन्हें जोड़ा गया। आज ऐसे कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से संगठन का चेहरा बनते नजर आ रहे हैं।

मोर्चा-प्रकोष्ठों में नए चेहरों से बढ़ा उत्साह...

पहली बार मोर्चा और प्रकोष्ठों में वर्षों से चले आ रहे आरक्षित चेहरों की परंपरा टूटी,भाजयुमो,महिला मोर्चा,अल्पसंख्यक,पिछड़ा वर्ग,अजजा और अजा मोर्चा इन सभी में नए और अपेक्षाकृत अनदेखे चेहरों को नेतृत्व दिया गया,इस फैसले से कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया कि संगठन में मेहनत करने वालों के लिए आगे बढ़ने के अवसर खुले हैं।

प्रदेश संगठन के भरोसेमंद सिपाही...

कम समय के राजनीतिक जीवन में देवेन्द्र तिवारी को जिलाध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलना यह दर्शाता है कि वे प्रदेश संगठन की नजर में भरोसेमंद माने जाते हैं,विधानसभा,लोकसभा और अन्य राज्यों के चुनावों में उन्हें दी गई जिम्मेदारियों का उन्होंने सफलतापूर्वक निर्वहन किया। कोरिया जिला कार्यकारिणी का समय पर गठन भी इसी भरोसे का परिणाम माना जाता है।

नया भाजपा कार्यालय,स्थायी विरासत...

जिलाध्यक्ष बनते ही पुराने भाजपा कार्यालय के स्थान पर नए भवन के निर्माण की पहल की गई,प्रदेश संगठन की देखरेख में यह निर्माण कार्य जारी है और संभावना है कि एक वर्ष के भीतर कोरिया जिला भाजपा को नया,आधुनिक कार्यालय मिल जाएगा जो संगठन के लिए एक स्थायी आधार बनेगा।

आगे की चुनौती
2026 के निकाय चुनाव

आने वाले समय में नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर और शिवपुर चरचा के चुनाव होने हैं, राज्य स्तर पर मौजूद राजनीतिक परिस्थितियों और कुछ जनाक्रोश वाले मुद्दों के बीच यह चुनाव देवेन्द्र तिवारी के लिए अगली कठिन परीक्षा होंगे। संगठनात्मक मजबूती को फिर से चुनावी जीत में बदलना उनकी नेतृत्व क्षमता की असली कसौटी रहेगा।

CMYK

यश की टॉक्सिक का टीजर देख कर हैरान रह गए राम गोपाल वर्मा

कहा...मुझे अभी भी यकीन नहीं कि...

यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर इस समय खूब चर्चा है। हाल ही में इसका फर्स्ट लुक यश के 40वें जन्मदिन पर जारी किया गया। इसकी शुरुआत ही एक खतरनाक इंटीमेट सीन के साथ होती है। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है, जो खुद एक महिला हैं। अब फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने उनकी तारीफ की है। यश की मचअवेटेड फिल्म टॉक्सिक का फैंस को लंबे समय से इंतजार था। हाल ही में एक्टर के 40वें जन्मदिन पर इसका पहला लुक जारी किया गया। इसमें उनके किरदार राया को पेश किया गया है। इसकी शुरुआत ही एक इंटीमेट सीन के साथ होती है जिसने खई सारे फैंस को हैरान कर दिया।

रामगोपाल वर्मा ने की तारीफ

लेकिन इससे ज्यादा भी सरप्राइजिंग बात ये थी कि फिल्म की कहानी जिसने लिखी और डायरेक्ट की है वो खुद एक महिला है। गीतू मोहनदास इसकी निर्देशक हैं। हालांकि,टॉक्सिक के टीजर को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, वहीं फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने मोहनदास की प्रशंसा की है। वर्मा ने कहा कि डायरेक्टर गीतू मोहनदास महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा प्रतीक है।

महिला ने डायरेक्ट की है टॉक्सिक

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट पर गीतू की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा यश स्टारर टॉक्सिक का ट्रेलर देखने के बाद मुझे कोई शक नहीं है कि गीतू मोहनदास महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा प्रतीक हैं। कोई भी पुरुष डायरेक्टर इस महिला का मुकाबला कर पाए इतना बड़ा मर्द नहीं है। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि उसने यह शूट किया है।

गीतू मोहनदास कौन हैं?

गीतू मोहनदास एक पूर्व अभिनेत्री हैं जिन्होंने मुख्य रूप से मलयालम फिल्मों में काम किया है। 2014 में,उन्होंने फिल्म लायर्स डाइस से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा,जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म ने दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते और यह 87वें अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए भारत की ओर से आधिकारिक एंट्री की।

शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के साथ शेयर की तस्वीरें

शत्रुघ्न सिन्हा ने रीना रॉय को जन्मदिन की बधाई देते हुए पुरानी तस्वीरें साझा कीं,जिससे उनके पुराने अफेयर की चर्चा फिर से शुरू हो गई। 70 के दशक में यह जोड़ी पर्दे पर काफी लोकप्रिय थी। सिन्हा ने स्वीकार किया है कि इस लव ट्रायंगल का उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा था।
एक सिंपल से बर्थडे पोस्ट ने बॉलीवुड के सबसे चर्चित अध्यायों में से एक को फिर से ताजा कर दिया है। हम बात कर रहे हैं दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के बारे में। शत्रुघ्न सिन्हा ने रीना रॉय के जन्मदिन के मौके पर उनके साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर बर्थडे विश किया है।
साल 1970 के दशक के हिंदी सिनेमा के प्रशंसकों के लिए,शत्रुघ्न और रीना सिर्फ एक लोकप्रिय फिल्मी जोड़ी नहीं बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे। शत्रुघ्न सिन्हा की पूनम सिन्हा से शादी की लेकिन फिल्मी गलियारों में रीना रॉय के साथ अफेयर के चर्चे थे।

रीना रॉय को किया बर्थडे विश

रीना रॉय के साथ फोटो शेयर करते हुए शत्रुघ्न ने लिखा, मेरी एक प्यारी मित्र,सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक,हमेशा आकर्षक रहने वाली स्टार,एक महान इंसान,संपूर्ण व्यक्तित्व वाली त्तरीना रॉय को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको सदा आशीर्वाद दें। त्तजन्मदिनकीशुभकामनाएं। इस पोस्ट ने कई सारे फैंस का ध्यान खींचा। सभी को उनकी पुरानी लव स्टोरी याद आ गई।

एक्टर के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ा बुरा असर

बता दें कि शत्रुघ्न सिन्हा कई मौको पर ये बात स्वीकार कर चुके हैं। उन्होंने लहरें रेट्रो को दिए एक इंटरव्यू में स्वीकार किया था और नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने जीवन में गलतियां कीं और उनके इस लव ट्रॉयंगल की वजह से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा।
शत्रुघ्न और रीना ने पहली बार सुभाष घई द्वारा निर्देशित फिल्म कालीचरण में साथ काम किया था। यह फिल्म शत्रुघ्न के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई और उन्हें एक बड़े स्टार के रूप में स्थापित किया। उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई और इसके बाद उन्होंने मिलाप, संग्राम, सत श्री अकाल और चोर हो तो ऐसा जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया।

करण अर्जुन को ठुकराकर खूब पछताई थी ये एक्ट्रेस

बहन का भला करने के चक्कर में रिजेक्ट की ब्लॉकबस्टर मूवी!

करण अर्जुन 90 दशक की पॉपुलर फिल्म थी। इस फिल्म ने ममता कुलकर्णी को भी मशहूर बना दिया था। मगर शायद ही आपको मालूम हो कि इस किरदार के लिए पहले किसी और एक्ट्रेस को कास्ट किया गया था। कोई नहीं जानता कि आज जिस फिल्म को कलाकार ठुकरा रहे हैं, वो कल सुपरहिट या फिर ब्लॉकबस्टर हो जाए। कुछ कलाकार बड़ी फिल्मों से हाथ धो बैठते हैं और फिर उसका पछतावा उनके दिल में रहता है। एक एक्ट्रेस भी उन्हीं में से एक हैं जो मानती हैं कि अगर उन्होंने फिल्में न ठुकराई होतीं तो शायद इंडस्ट्री में उनका अलग मुकाम होता है। इस एक्ट्रेस ने 90दशक की सुपरहिट फिल्म करण अर्जुन को भी रिजेक्ट कर दिया था। एक थ्रोबैक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने रिवील किया था कि आखिर क्यों उन्होंने इतना बड़ा प्रोजेक्ट छोड़ दिया था और एक टीवी सीरियल में काम किया। करण जौहर ब्लॉकबस्टर मूवी थी जिसका निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म में सलमान खान, शाह रुख खान, काजोल, ममता कुलकर्णी और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में थे।

इस एक्ट्रेस ने ठुकराई थी करण अर्जुन

जिस एक्ट्रेस ने इस फिल्म को ठुकराया था, वो कोई और नहीं बल्कि बादशाह एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल थीं। राकेश रोशन एक्ट्रेस को ममता कुलकर्णी वाला रोल देने वाले थे। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस फिल्म को अनजाने में ठुकरा दिया था।

बहन के चक्कर में खो दी फिल्म

अनसेंसर्ड विद शार्दुल को दिए पुराने इंटरव्यू में दीपशिखा नागपाल ने करण अर्जुन ठुकराने की वजह का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि वह अपनी बहन की वजह से यह फिल्म नहीं कर पाई थीं। बकौल एक्ट्रेस,जब बड़ी-बड़ी फिल्में आती थीं,शायद वो कर लेती तो करियर ग्राफ कुछ और होता। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने कौन सी फिल्में नहीं कीं। तब एक्ट्रेस ने करण अर्जुन का नाम लिया। उन्होंने कहा,मेरे पास नो कहने की हिम्मत नहीं है। मैं राकेश रोशन से मिली। दीपशिखा ने आगे कहा,राकेश जी ने मुझसे कहा कि मैं तुम्हें चाहता हूं (एक फिल्म में कास्ट करने के लिए)। आप एक मूवी करेंगी? मुझे लगा मैं मना कर दूंगी तो मेरी सिस्टर को ले लेंगे। इसलिए मैंने मना कर दिया और कह दिया कि मैं मूवी नहीं करना चाहती और बाहर आ गई। ना उन्होंने मुझे साइन किया और ना उसको साइन किया।

इस बात से अनजान थीं एक्ट्रेस

दीपशिखा नागपाल ने बताया कि करण अर्जुन को ठुकराने के बाद वह एक सीरियल करने लगी थीं और वहां उन्हें राकेश रोशन भी मिले। एक्ट्रेस को टीवी में काम करता देख राकेश ने उनसे कहा था,मैंने तुम्हें करण अर्जुन ऑफर की और तुमने मना कर दिया और अब तुम टीवी कर रही हो। दीपशिखा ने आगे कहा,फिर मैंने कहा कि मुझे पता ही नहीं था एक्ट्रेस ने आगे बताया कि राकेश रोशन ने उन्हें ममता वाला रोल इसलिए दिया था क्योंकि वह उस समय बहुत पतली थीं,जबकि उनकी बहन थोड़ी हेल्दी थीं। उस वक्त उन्हें यह समझ नहीं आया था।

खेल समाचार

श्रीलंका के बैटिंग कोच बने विक्रम राठौर

18 जनवरी से 10 मार्च तक जिम्मेदारी संभालेंगे

5 साल तक भारत के कोच भी रहे

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर अब श्रीलंका के बैटिंग कोच बन गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए राठौर को सलाहकार कमेटी का हिस्सा बनाया। वर्ल्ड कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। राठौर 18 जनवरी से 10 मार्च तक श्रीलंका टीम के साथ रहेंगे।

श्रीधर भी श्रीलंका के कोचिंग स्टाफ में शामिल

भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर भी श्रीलंका टीम के साथ जुड़े हैं। उन्हें पिछले महीने ही टीम ने कोचिंग सेट-अप का हिस्सा बनाया था। श्रीधर और राठौर दोनों को ही वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टीम के साथ जोड़ा गया। आईसीसी टूर्नामेंट खत्म होने के बाद दोनों का कार्यकाल भी खत्म हो जाएगा।

5 साल तक टीम इंडिया के कोच रहे

राठौर सितंबर 2019 से जुलाई 2024 तक टीम इंडिया के बैटिंग कोच भी रह चुके हैं। इस दौरान रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ टीम के हेड कोच रहे। फिलहाल राठौर आईसीसी टीम राजस्थान रॉयल्स में लीड असिस्टेंट कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं।

ग्रुप-बी में है श्रीलंका

2014 की टी-20 वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका इस बार ग्रुप-बी में है। टीम को आयरलैंड, जिम्बाब्वे, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के ग्रुप में रखा गया। टीम 8 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मैच से अपना अभियान शुरू करेगी। श्रीलंका में 14 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट होगा, 2012 में आखिरी बार यहां टी-20 वर्ल्ड कप ही खेला गया था। तब वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को ही फाइनल हराकर टाइटल जीता था।

सिंधु,सात्विक की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। भारतीय शटलर पीवी सिंधु नए साल में शानदार खेल रही हैं। मलेशिया ओपन सुपर 1000 में अग्रेसन दिखा रही सिंधु क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। अपने दमदार खेल से अपोनेंट्स को चैलेंज कर रही सात्विक साईराज-चिराग शेट्टी की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

हालांकि.. मेंस सिंगल्स में भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी का संघर्ष खत्म हो गया है। ओलंपिक चैंपियन सिंधु ने पिछले साल एक भी टाइटल नहीं जीता था लेकिन उन्होंने नए साल में ज़बरदस्त वापसी की है। मलेशिया ओपन में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय स्टार ने गुरुवार को प्री-क्वार्टर में जापानी शटलर टोमोका मियाज़ाकी को हराया। टॉप गियर में चल रही तेलुगु स्टार ने पहला सेट आराम से 21-8 से जीता। सिंधु ने दूसरे सेट में भी अपना दबदबा बनाया, आठवीं सीड टोमोका को आराम से 21-13 से हराया। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना जापान की तीसरी सीड अकाने यामागुची से होगा। शानदार खेल के साथ पुरुषों के सिंगल्स में, वे क्वार्टर से पहले ही घर चले गए। डबल्स में, सात्विक-चिराग की जोड़ी शानदार प्रदर्शन के साथ क्वार्टर तक पहुंची। पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ जीतने वाली यह जोड़ी मलेशिया ओपन में मेडल के और करीब पहुंच गई थी। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने गुरुवार को जुनैद आरिफ-रॉय किंग याप (मलेशिया) की जोड़ी को 39 मिनट के मुकाबले में 21-18, 21-12 से हराया।

हैदराबाद तूफान्स ने रांची रॉयल्स पर 3-2 से जीत हासिल की

चेन्नई,08 जनवरी 2026। एग्मोर स्थित मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में खेले गए पुरुष हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के मैच में हैदराबाद तूफान्स ने रांची रॉयल्स के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल करने के लिए शानदार वापसी की। हॉकी इंडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,

टॉम बून (11%, 17%) ने रांची रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया, जिसके बाद अमनदीप लकरा (42%), निक वुड्स (45%) और तलविंदर सिंह (57%) के गोलों की मदद से हैदराबाद तूफान्स ने वापसी करते हुए जीत हासिल की। पहले क्वार्टर की शुरुआत काफी रोमांचक रही, जिसमें हैदराबाद तूफान्स ने शुरुआती क्षणों में ही अपना दबदबा कायम कर लिया। उन्होंने अधिकांश समय गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा और खेल की गति को नियंत्रित किया, जबकि रांची रॉयल्स अपनी रक्षात्मक रणनीति पर कायम रहते हुए आक्रमण करने में लगे रहे। हालांकि, रॉयल्स को खेल का पहला महत्वपूर्ण अवसर मिला, जब उन्हें दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। टॉम बून (11वें मिनट) ने दूसरे सेट-पीस से मिले ड्रैगफ्लिक को गोल में बदलकर अपनी टीम को अप्रत्याशित बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर के अंत में तूफान्स ने भी दो पेनल्टी कॉर्नर से मौके बनाए, लेकिन वे मनचाहा मौका हासिल नहीं कर सके। हैदराबाद तूफ़ान्स को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही एक और झटका लगा जब टॉम बून (17वें मिनट) ने अपना दूसरा गोल दागा। उन्होंने गोलकीपर को पछाड़ते हुए शानदार शॉट लगाया और इस तरह रांची की बढ़त को दोगुना कर दिया। तूफ़ान्स ने दूसरे क्वार्टर में नौ बार पेनल्टी कॉर्नर के लिए गेंद को गोल में डालकर जोरदार वापसी की और बराबरी के कई मौके बनाए,जिनमें एक पेनल्टी कॉर्नर भी शामिल था। तमाम कोशिशों के बावजूद वे कोई उल्लेखनीय गोल दागने में नाकाम रहे और पहला हाफ 2-0 की हार के साथ समाप्त हुआ।

आईसीसीअंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए 17 अंपायर और चार मैच रेफरी नामित किए गए

नई दिल्ली,08 जनवरी 2026। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को आगामी आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की सूची की घोषणा की,जो 15 जनवरी से शुरू होगा। आगामी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ अंपायर्स एंड रेफरीज से कुल 17 अंपायर और चार मैच रेफरी नियुक्त किए गए हैं,जिनमें 13 से अधिक विभिन्न राष्ट्रीयताओं के अधिकारी शामिल हैं। इस पैनल में मेजबान देश जिम्बाब्वे के दो अधिकारी भी शामिल होंगे , जिनमें पूर्व खिलाड़ी फोर्स्टर मुतिजवा अपने हमवतन इनो चाबी के साथ मैच का संचालन करेंगे।अंपायरिंग पैनल में पूर्व वेस्ट इंडीज खिलाड़ी डेइटन बटलर और इंग्लैंड के ग्राहम लॉयड जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार मैच रेफरी इंग्लैंड के डीन कॉस्कर, भारत के प्रकाश भट्ट, श्रीलंका के ग्रीम लैब्रूय और बांग्लादेश के नेयामुर राहुल हैं। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा...यह आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप खेल में उभरते सितारों के लिए चमकने का एक जबरदस्त अवसर है,लेकिन यह उभरते हुए मैच अधिकारियों के लिए एक अमूल्य पुरस्कार प्रणाली भी है। उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि यह उनके करियर के लिए एक आदर्श मंच साबित होगा क्योंकि हम उन्हें रेफरी के रूप में अपने सफर में आगे बढ़ते हुए देखेंगे।

आईसीसी पुरुष अंडर-19 वनडे क्रिकेट विश्व कप 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाला है , जिसमें दुनिया भर के युवा क्रिकेटर विश्व मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।
आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारी : अंपायर:अहमद शाह दुर्रानी (अफगानिस्तान), एडन सीवर (आयरलैंड), कोरी ब्लैक (न्यूजीलैंड), डेइटन बटलर (वेस्ट इंडीज),फैसल अफरीदी (पाकिस्तान),फोर्स्टर मुतिजवा (जिम्बाब्वे), ग्राहम लॉयड (इंग्लैंड), इग्नो चाबी (जिम्बाब्वे),लुबाबलो गकुमा (दक्षिण अफ्रीका),मसूदुर मुकुल (बांग्लादेश),नितिन बाथी (नीदरलैंड), प्रगीथ रामबुकवेला (श्रीलंका), रसेल वॉरेन (इंग्लैंड), शॉन हेग (न्यूजीलैंड),शॉन क्रेग (ऑस्ट्रेलिया), वीरेंद्र शर्मा (भारत), जाहिद बस्सरथ (वेस्ट इंडीज) रेफरी : डीन कॉस्कर (इंग्लैंड), ग्रीम ला ब्रूय (श्रीलंका), नीयामुर राहुल (बांग्लादेश), प्रकाश भट्ट (भारत)।

हरियाणा और दिल्ली का दबदबा, सेपाक-टकराव में जीते स्वर्ण पदक

पंजाब,08 जनवरी 2026। हरियाणा की महिलाओं और दिल्ली के पुरुषों ने सेपक-टकरा में बिहार के गोल्ड मेडल जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, क्योंकि उन्होंने गुरुवार को दीव के घोगला बीच पर खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 के फाइनल में अलग-अलग जीत हासिल की। महिलाओं के सेपक-टकरा फाइनल में, हरियाणा ने पहला रेगू हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए बिहार को 2-1 से हराया। यह मैच एक घंटे 15 मिनट तक चला, जबकि दिल्ली के पुरुषों ने बिहार को सीधे 2-0 से हरा दिया। बीच सॉकर में, डिफेंडिंग चैंपियन ओडिशा ने पहली बार खेलने वाली हिमाचल प्रदेश को 7-0 से हराकर महिलाओं के फाइनल में जगह बनाई। जीतने वाली टीम के लिए श्रीजना तमांग, सत्यबती खाडिया और खुंडोंगबाम अंबालिका ने दो-दो गोल किए। महिलाओं के सेक्शन के दूसरे सेमीफाइनल में, गुजरात की शानदार शुरुआत ने उन्हें पहले क्वार्टर में चार गोल करने में मदद की, जो अरुणाचल प्रदेश पर 6-3 से जीत दर्ज करने के लिए काफी था। हारने वाली टीम की कप्तान ज्ञानी रामचिंग मारा ने तीनों क्वार्टर में एक-एक गोल किया, लेकिन गुजरात के गोल के सामने उन्हें दूसरों से ज्यादा सपोर्ट नहीं मिला। बीच वॉलीबॉल में, तमिलनाडु के पास पुरुषों और महिलाओं दोनों में गोल्ड मेडल जीतने का मौका होगा। तमिलनाडु की दीपिका और पवित्रा की महिला टीम ने एक सेट से पिछड़ने के बाद अपनी टीम की साथी स्वाति और धारशिनी को 19-21, 21-12, 15-6 से हराया और अब गोल्ड मेडल मैच में पुडुचेरी की रेवती और श्वेता का सामना करेंगी। पुरुषों का फाइनल तमिलनाडु के भरत और राजेश और गोवा के सावन और गौस के बीच खेला जाएगा।

CMYK

मनरेगा पर संकट! कांग्रेस का बड़ा ऐलान....10 जनवरी से 25 फरवरी तक चलाएगी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान

सचिन पायलट बोले...मनरेगा को खत्म करना चाहती है सरकार

रायपुर,08 जनवरी 2026। कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों की संयुक्त बैठक राजीव भवन में प्रदेश प्रभारी सचिव पायलट ने ली,जिसमें कांग्रेस ने मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार पर राज्यों पर बोझ डालने का आरोप लगाते हुए बड़ा आंदोलन करने का ऐलान किया। बैठक में 10 जनवरी से 25 फरवरी तक प्रदेशभर में VB-GRAM-G विधेयक के खिलाफ 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस दौरान कांग्रेसी रोजगार अधिकार के लिए सड़क पर उतरेंगे। ग्राम पंचायत से विधानसभा तक आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा मनरेगा था, जिसे केंद्र सरकार दुर्भावनावश नाम बदलकर पूरी तरह समाप्त करने में लगी हुई है। एआईसीसी के निर्देशानुसार 10 जनवरी को मनरेगा के मुद्दे पर सभी जिलों में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। इसके बाद एक दिवसीय उपवास रखा जाएगा।

10 जनवरी को सभी जिलों में प्रेस कांफ्रेंस करेगी कांग्रेस

10 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक कांग्रेस 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान चलाएगी। इस दौरान 10 जनवरी को सभी डीसीसी कार्यालयों में जिला स्तर पर अभियान के औपचारिक शुभारंभ के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। प्रस्तावित कानून के ग्रामीण रोजगार और आजीविकाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति मीडिया को संवेदनशील बनाया जाएगा।

इतना ही नहीं 26 जनवरी को हम ग्राम पंचायतों के माध्यम से इस मुद्दे को पास करवाएंगे। चुकी ये मुद्दा जनता का है इसीलिए हमारे एक-एक कदम पर जनता साथ होगी। विधानसभा घेराव भी किया जाएगा। गांधीवादी तरीके से पूरा आंदोलन किया जाएगा। पायलट ने कहा, इस मामले में भी सरकार सबसे गरीब, वंचित लोगों का हनन करना चाहती है। इसका पूरजोर विरोध किया जाएगा। हमने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि कांग्रेस का कार्यकर्ता एक-एक गांव से लेकर मंडल तक जाएगा, और जनता को जागरूक करेगा। बैठक में सचिन पायलट के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

11 जनवरी को एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध : जिला मुख्यालयों या प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, जैसे महात्मा गांधी या डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं के पास पार्टी नेताओं,निर्वाचित प्रतिनिधियों और मनरेगा श्रमिकों की भागीदारी के साथ एक दिवसीय उपवास किया जाएगा।

12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क : सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर की चौपालें और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस चरण के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष के पत्र ग्राम प्रधानों,पूर्व ग्राम प्रधानों, रोजगार सेवकों और मनरेगा श्रमिकों तक पहुंचाए जाएंगे। साथ ही विधानसभा स्तर पर नुक्कड़ सभाएं और पर्चा वितरण भी किया जाएगा।

30 जनवरी को वार्ड स्तर पर शांतिपूर्ण धरना,फिर 31 से जिलास्तरीय प्रदर्शन

30 जनवरी को वार्ड और ब्लॉक स्तर पर शांतिपूर्ण धरने आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अहिंसा, संवैधानिक मूल्यों और काम के अधिकार पर जोर दिया जाएगा। 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तरीय मनरेगा बचाओ धरना दिया जाएगा। जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट कार्यालयों पर धरने आयोजित किए जाएंगे,जिसके पश्चात VB-GRAM-G विधेयक को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य स्तरीय विधानसभा घेराव

पीसीसी के नेतृत्व में राज्य स्तर पर विधानसभाओं का घेराव किया जाएगा, जिसमें अधिकतम मोबिलाइजेशन के माध्यम से केंद्र सरकार की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की नीति और राज्यों पर डाले जा रहे बोझ को उजागर किया जाएगा। अभियान के समापन के रूप में एआईसीसी द्वारा चार प्रमुख क्षेत्रीय रैलियों का आयोजन किया जाएगा। स्थलों और तिथियों का विवरण अलग से सूचित किया जाएगा।

जनदर्शन में दिव्यांग आर्चरी खिलाड़ियों से मिले सीएम साय

सरकार दे रही खेलों को बढ़ावा, छत्तीसगढ़ का नाम करें रोशन : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,08 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांग खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग तीरंदाज होरीलाल यादव और लक्की सोनी ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम से उच्च स्तरीय खेल उपकरण और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव की बात कही, जिसपर मुख्यमंत्री ने दिव्यांग आर्चरी खिलाड़ियों को तीरंदाजी से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है। मुलाकात के दौरान दोनों खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे दिव्यांग तीरंदाजी के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और आगामी फरवरी माह में पटियाला में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय

आर्चरी स्पर्धाओं में देश और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें उच्च स्तरीय खेल उपकरण और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खिलाड़ियों की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। दिव्यांग खिलाड़ी भी किसी से कम नहीं हैं और सही मार्गदर्शन व सुविधाएं मिलने पर वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों तीरंदाजों को अपने खेल कौशल को निरंतर निखारने और पूरी मेहनत व लगन के साथ अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बिलासपुर यूनिवर्सिटी में बवाल...

कुलपति ने साहित्यकार को सभा से निकाला

बिलासपुर,08 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित एक राष्ट्रीय परिसंवाद उस समय विवादों के घेरे में आ गया, जब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक चक्रवाल और एक आमंत्रित साहित्यकार के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। यह घटना विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'समकालीन हिंदी कहानीः बदलते जीवन संदर्भ' विषय पर चर्चा के दौरान हुई। अकादमिक विमर्श के लिए सजे इस मंच पर संवाद की जगह विवाद उस समय हावी हो गया जब कुलपति ने अपने व्यवहार से सबको हैरान कर दिया।

विषय से भटके कुलपतिः अपनी कहानी सुनाने पर हुआ ऐतराज : परिसंवाद के दौरान जब कुलपति प्रोफेसर आलोक चक्रवाल को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया,तो वे निर्धारित विषय 'हिंदी कहानी' पर चर्चा करने के बजाय अपने व्यक्तिगत जीवन के अनुभवों और उपलब्धियों का बखान करने लगे। काफी देर तक वे अपने गुजराती और बनारसी भाषाई परिवेश तथा निजी जीवन के किस्से सुनाते रहे। कार्यक्रम में मौजूद विद्वान और साहित्यकार इस बात से असहज महसूस करने लगे कि चर्चा मुख्य मुद्दे से भटक रही है। इसी बीच कुलपति ने खुद ही एक साहित्यकार की ओर इशारा करते हुए पूछ लिया, 'भाई साहब, आप बोर तो नहीं हो रहे हैं?'

मुद्दे की बात करें... : साहित्यकार के सुझाव पर भड़के कुलपति

कुलपति के सवाल पर महाराष्ट्र से आए प्रख्यात साहित्यकार मनोज रुपण ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया कि 'यदि चर्चा कार्यक्रम के मुख्य विषय पर केंद्रित रहे,तो बेहतर होगा।' साहित्यकार का इतना कहना ही था कि कुलपति अपना आपा खो बैठे। उन्होंने इसे अपना अपमान माना और सख्त लहजे में कहा, 'बहुत बड़े कहानीकार और विद्वान बन रहे हैं, लेकिन इन्हें तमीज नहीं है कि कुलपति से कैसी बात की जाती है।' उन्होंने संयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन्हें (मनोज रुपण) भविष्य में कभी किसी कार्यक्रम में न बुलाया जाए।

सभा से बाहर निकालने का फरमानः अन्य अतिथियों ने किया बहिष्कार

विवाद यहीं नहीं थमा,कुलपति ने मनोज रुपण को भरी सभा से बाहर जाने का आदेश दे दिया। कुलपति के इस अड़ियल और अपमानजनक रवैये को देख सभागार में मौजूद अन्य प्रोफेसर और दूसरे राज्यों से आए साहित्यकार विरोध करने लगे। जब कुछ लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई, तो कुलपति ने दोटूक कह दिया कि जिन्हें अच्छा नहीं लग रहा है, वे भी बाहर जा सकते हैं। इस अपमान से क्षुब्ध होकर कई वरिष्ठ अतिथियों और साहित्यकारों ने कार्यक्रम का बीच में ही बहिष्कार कर दिया और सभागार छोड़कर चले गए।

अब विद्यार्थियों की डिजिटल पहचान...छत्तीसगढ़ में 88.63 प्रतिशत APAAR आईडी बनीं

रायपुर,08 जनवरी 2026। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत भारत सरकार द्वारा लागू की गई ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री व्यवस्था में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य में विद्यार्थियों की स्थायी डिजिटल शैक्षणिक पहचान बनाने की दिशा में तेजी से काम किया गया है, जिसका असर आंकड़ों में साफ नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के 57,045 स्कूलों में पढ़ने वाले कुल 57,10,207 विद्यार्थियों में से 50,60,941 छात्रों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी सफलतापूर्वक तैयार की जा चुकी है। यह कुल का 88.63 प्रतिशत है, जो प्रतिशत के आधार पर देश के बड़े राज्यों में सबसे अधिक माना जा रहा है। इसे राज्य के लिए डिजिटल शिक्षा ढांचे की दिशा में बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। जिलावार स्थिति पर नजर डालें तो बेमेतरा (96.40%) और राजनांदगांव (96.38%) जिलों में सबसे अधिक विद्यार्थियों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी बनाई गई है। इसके अलावा रायगढ़,कोरिया,रायपुर,कोरबा,धमतरी,दुर्ग और बलौदाबाजार जैसे जिलों में भी 93 प्रतिशत से अधिक छात्रों की आईडी तैयार हो चुकी है। राज्य के केवल पांच जिले–नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, बलरामपुर और दंतेवाड़ा ऐसे हैं, जहां अब तक 80 प्रतिशत से कम विद्यार्थियों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी बन पाई है। हालांकि इन जिलों में भी शेष छात्रों की आईडी बनाने का कार्य लगातार जारी है। भारत सरकार ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि 31 जनवरी 2026 तक सभी विद्यार्थियों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी अनिवार्य रूप से तैयार कर ली जाए। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ में स्कूल स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा विभाग की टीम लगातार काम कर रही है। ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को एक स्थायी डिजिटल शैक्षणिक पहचान मिलती है। इसमें छात्र की शैक्षणिक उपलब्धियां,प्रमाण-पत्र, मार्कशीट और क्रेडिट्स सुरक्षित डिजिटल रूप में दर्ज रहते हैं।

बिलासपुर-राजनांदगांव जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

जज की ऑफिशियल आईडी पर आया ई-मेल कैंपस खाली कराया,बम-स्क्वायड कर रही जांच

बिलासपुर,08 जनवरी 2026। राजनांदगांव जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद बिलासपुर जिला कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस हाई अलर्ट पर है,जिला न्यायालय परिसर सील कर दिया गया है। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता जांच कर रही है। धमकी देने वाले की तलाश जारी है। इससे पहले राजनांदगांव जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता को आधिकारिक ई-मेल आईडी पर अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भेजी थी। धमकी भरा मेल मिलते ही पुलिस,प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे जिला न्यायालय परिसर को तुरंत खाली कराया गया। सभी जजों,वकीलों,

न्यायालय कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आने-जाने वाले रास्तों पर भी सख्त निगरानी रखी जा रही है। जिससे जीई रोड पर काफी भीड़ जमा हो गई है। वहीं ऐहतियातन,रायपुर और धमतरी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में भी बम स्क्वायड और डॉग स्क्वाड की टीम पहुंची हैं। हर मंजिल में जांच हो रही है। परिसर में घूम रहे अनजान लोगों से पूछताछ की जा रही है। अलर्ट जारी किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बम निरोधक दस्ता और अन्य जांच एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। पूरे परिसर की सघन तलाशी ली जा रही है। शुरुआती जांच में अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक,न्यायालय परिसर को आरडीएक्स से उड़ाने की बात कही गई। जिसके लिए गुरुवार सुबह 10 बजकर 7 मिनट पर मेल आया। दोपहर 2:35 बजे तक का समय दिया गया था। यह मेल एक इंटरनेशनल नंबर का इस्तेमाल कर भेजा गया है। जिससे भेजने वाले की पहचान छुपाने की कोशिश की गई है। मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

महतारी वंदन योजना की 23 वीं किश्त जारी

रायपुर,08 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी 'महतारी वंदन योजना' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस योजना के 23वीं क़िस्त की राशि महिला हितग्राहियों के बैंक खातों में जमा कर दिया है। यह साल 2026 का पहला जबकि कुल 23वीं किश्त है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और पोषण में सुधार के लिए शुरू की गई एक योजना है। इसके तहत, पात्र विवाहित महिलाओं को हर महीने ?1,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव और असमानता को दूर करना है। बता दें कि महतारी वंदन योजना की पहली किस्त 10 मार्च 2024 को पीएम मोदी के हाथों प्रदान की गई थी। पीएम मोदी ने महतारी वंदन की योजना की पहली किस्त 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं के खाते में ट्रांसफर की थी। वहीं, अगर 22वीं यानी पिछले साल के आखिर महीने के किस्त में हितग्राहियों की संख्या को देखा जाए तो 6786336 ही रह गए हैं। इनमें से 7,662 महिलाओं को हाल ही में योजना का हितग्राही बनाया गया है, जो नियद नेल्ला नार क्षेत्र से आते हैं।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि : सीएम साय

रायपुर,08 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर स्थित इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर ट्वीट करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह उपलब्धि राज्य की आधुनिक, तकनीक-सक्षम और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य अवसंरचना का सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। IPHL रायपुर को मिला NQAS सर्टिफिकेशन इस दिशा में किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है।

इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश में स्वास्थ्य जांच, रोग निदान और प्रयोगशाला सेवाएं राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित की जा रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रमाणन से आम नागरिकों को सटीक,समयबद्ध और भरोसेमंद जांच सुविधाएं और अधिक सुलभ होंगी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला...सौम्या चौरसिया की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी,हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बिलासपुर,08 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार सौम्या चौरसिया की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच ने मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश को सुरक्षित रखा है। कोर्ट ने अंतिम फैसला आने तक याचिकाकर्ता सौम्या चौरसिया को अंतरिम राहत प्रदान की है। इस मामले में कोर्ट अपना निर्णय 13 जनवरी को सुनाएगा। दरअसल,एसीबी/ईओडब्ल्यू द्वारा जारी किए गए प्रोडक्शन वारंट के खिलाफ सौम्या चौरसिया ने अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई है। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालयने उन्हें शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है।

हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें 13 जनवरी को आने वाले फैसले पर टिकी हैं, जो इस मामले में आगे की दिशा तय करेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)